डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें - 9799559096 0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 47 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 22 दिसम्बर से 28 दिसम्बर 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल के घर से मिला करोड़ों का कैश

-सेना में भ्रष्टाचार देश के लिये बड़ा खतरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सीबीआई ने शनिवार को रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा को बेंगलुरु स्थित एक कंपनी से कथित तौर पर 3 लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि दीपक कुमार शर्मा के परिसर की तलाशी के दौरान सीबीआई ने 2.23 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए हैं। सीबीआई ने रक्षा उत्पादन विभाग में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और निर्यात के डिप्टी प्लानिंग ऑफिसर दीपक कुमार शर्मा और उनकी पत्नी कर्नल काजल बाली के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

कर्नल बाली राजस्थान के श्री गंगानगर स्थित 16 इन्फैंट्री डिवीजन ऑर्डनेंस यूनिट की कमांडिंग ऑफिसर के रूप में तैनात हैं। सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि आरोप है कि शर्मा रक्षा उत्पादों के निर्माण, निर्यात आदि से जुड़ी विभिन्न निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ आपराधिक साजिश रचकर 'लगातार भ्रष्ट और अवैध गतिविधियों में लिप्त' रहते हैं। सीबीआई का आरोप है कि दीपक शर्मा ने कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले उनसे रिश्वत ली। सीबीआई को बेंगलुरु स्थित एक कंपनी से रिश्वत के संभावित भुगतान के बारे में सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि राजीव यादव और रवजीत सिंह कंपनी के कामकाज की देखरेख कर रहे थे। सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, "रवजीत सिंह और राजीव यादव लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा के लगातार संपर्क में थे और उनकी मिलीभगत से विभिन्न सरकारी विभागों और मंत्रालयों से अपनी कंपनी के लिए अवैध तरीकों से अनुचित लाभ प्राप्त कर रहे थे। विनोद कुमार ने उक्त कंपनी के इशारे पर 18 दिसंबर, 2025 को लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा को 3 लाख रुपये की रिश्वत दी।" बयान में कहा गया है कि विनोद कुमार को भी इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। वहीं, लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा के परिसर की तलाशी के दौरान सीबीआई ने दिल्ली स्थित उनके आवास से 2.23 करोड़ रुपये नकद और 3 लाख रुपये रिश्वत की रकम जब्त की, जबकि श्री गंगानगर स्थित उनकी पत्नी के आवास से 10 लाख रुपये जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों दीपक शर्मा और विनोद कुमार को दिल्ली में एक स्पेशल कोर्ट के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें 23 दिसंबर तक सीबीआई की हिरासत में भेज दिया।

सेना में भ्रष्टाचार देश के लिए बड़ा खतरा-
देश की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी सेना की होती है। सेना की ईमानदारी, बहादुर, साहस और देश-भक्ति के कारण देश का हर नागरिक सुरक्षित रह पाता है। यदि सेना में कमजोरी होगी तो देश की सीमाओं की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर पहले से ही दुश्मन देशों की गंदी नज़रें लगी हुई हैं। सीमाओं पर सेना की मुस्तैदी कम होते ही दुश्मन देश में खतरा पैदा करने में चूक नहीं करने वाले हैं। वैसे तो भ्रष्टाचार कैसा भी हो और कहीं भी हो देश को खोखला कर देता है। जिस देश के सिस्टम में भ्रष्टाचार फैल गया है, उस देश को बर्बाद होने से कोई नहीं बचा सकता है। विश्व में भारत भी एक ऐसा देश है जहां भ्रष्टाचार ने गहरी जड़े जमा ली हैं। देश में एक अजीब तरह का माहौल बन गया है। यहां भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने की बात करने वाले ही भ्रष्टाचार में शामिल मिल जाते हैं। देश के सभी सरकारी विभागों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। आम जनता भ्रष्टाचार से भी काफी परेशान है। लेकिन देश में कुछ विभागों मं भ्रष्टाचार नहीं के बराबर मिलता था उनमें से एक विभाग था देश का रक्षा विभाग। लेकिन उसमें भी अब भ्रष्टाचार दिखाई देने लगा है। लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा के घर से 2.23 करोड़ नगद जप्त होना देश की सेना में भ्रष्टाचार की ओर संकेत है। लेफ्टिनेंट कर्नल शर्मा अकेला ऐसा भ्रष्टाचारी नहीं है, उसके साथ एक लंबी चैन ऐसे व्यक्तियों की मिल सकती है जो या तो सेना में कार्यरत हैं या फिर सेना से किसी न किसी तरीके से जुड़े हुए हैं। सेना में भ्रष्टाचार को लेकर देश की मोदी सरकार को गंभीरता से एक्शन लेना चाहिए। सेना में पहले भी काफी ऐसे सैनिक पकड़े गए हैं जो पाकिस्तान के लिए जासूसी करते थे। सेना में भ्रष्टाचार होना देश के लिए बड़ा सुरक्षा खतरा है। इसको रोकने के प्रयास करना जरूरी है।

अजमेर दरगाह में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने की चादरपोशी

अजमेर। अजमेर स्थित ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में चल रहे 814वें सालाना उर्स के अवसर पर सोमवार को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू अजमेर पहुंचे और परंपरागत तरीके से दरगाह शरीफ में चादर चढ़ाई।

चादरपोशी के बाद किरेन रिजिजू ने एक पोस्ट के माध्यम से दिया यह संदेश
चादरपोशी के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, ख्वाजा गरीब नवाज के 814वें उर्स के शुभ अवसर पर, मुझे अजमेर की दरगाह शरीफ जाने और पवित्र मजार पर चादर चढ़ाने का सौभाग्य मिला। मैंने सभी के अमन, चैन और भाईचारे के लिए दुआ की। ख्वाजा साहब का प्यार, करुणा और मानवता की निस्वार्थ सेवा का शाश्वत संदेश हमारे साझा मूल्यों को रोशन करता रहेगा और एकता की भावना को मजबूत करेगा।

बड़ी संख्या में तैनात रहा पुलिस बल
कार्यक्रम को लेकर दरगाह परिसर और आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए, बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। चादर पेश करने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, मंत्री सुरेश रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि महफिलखाने पहुंचे। यहां दरगाह दीवान के पुत्र नसरुद्दीन चिश्ती ने उनका स्वागत किया और उर्स की मुबारकबाद दी। इस दौरान देश में शांति, सद्भाव और खुशहाली की दुआ मांगी गई। खादिमों की ओर से दस्तारबंदी कर तबर्रुक भी भेंट किया गया।

चांद नजर आने के साथ ही रविवार से 814वें उर्स की शुरुआत
चांद नजर आने के साथ ही रविवार से 814वें उर्स की शुरुआत हो चुकी है। उर्स के चलते देश-विदेश से लाखों की संख्या में जायरीन अजमेर दरगाह पहुंच रहे हैं। उर्स के विशेष अवसर पर जन्नती दरवाजा भी जायरीन के लिए खोला गया है, जो सामान्य दिनों में बंद रहता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लखपति दीदियों से किया संवाद

-लखपति दीदियों ने कहा- 'राजीविका से सपनों को लगे पंख' 'चारदीवारी से बाहर निकलकर घर का ताज बनी महिलाएं'

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के एचसीएम रीपा में आयोजित राज्य स्तरीय लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम में 60 लखपति दीदियों के साथ संवाद किया। उन्होंने लाभार्थी महिलाओं की आत्मनिर्भरता की यात्रा के अनुभवों को समझा और उनका उत्साहवर्धन किया। लखपति दीदियों ने मुख्यमंत्री से संवाद के दौरान बताया कि राजीविका से उनके सपनों को नए पंख लगे हैं और इससे महिलाएं घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर घर का ताज बन रही हैं। दौसा जिले की दिनेश कंवर ने बताया कि वह बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही है तथा जल्द ही वह बाजरे के बिस्कुट का व्यवसाय भी शुरू करने जा रही है। वह स्थानीय क्षेत्र के साथ ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी अपना व्यवसाय करेंगी। इसी तरह गीता बैरवा ने बताया कि उन्हें पहले घर से निकलने में भी झिझक होती थी लेकिन राजीविका से जुड़ने के बाद उनका मनोबल बढ़ा है और उनकी 20 से 25 हजार प्रतिमाह की आमदनी भी होने लगी है। दौसा की ललीता देवी ने बताया कि उन्होंने मजदूरी छोड़कर मसालों का काम शुरू किया और इस व्यवसाय से उनकी 10 से 15 हजार रुपये प्रतिमाह आय हो रही है। शर्मा को जयपुर की इन्द्रा देवी ने बताया कि वे लम्बे समय से राजीविका से जुड़ी हुई हैं और वे अन्य महिलाओं को भी इससे जुड़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। जयपुर की अर्चना गुर्जर ने कहा कि राजीविका से जुड़कर उन्हें एक नई पहचान मिली है तथा अब उन्हें गांव में खुद के नाम से जाना जाता है। **शेष पृष्ठ 2 पर....**

संजौली मस्जिद की अवैध मंजिल गिराने का काम शुरू

शिमला। शिमला की बहुचर्चित संजौली मस्जिद में इन दिनों अवैध घोषित की गई ऊपरी मंजिल को गिराने का काम चल रहा है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के आदेशों के तहत यह कार्रवाई शुरू की गई है और तोड़फोड़ की प्रक्रिया लगातार आगे बढ़ रही है। प्रशासन की निगरानी में मस्जिद कमेटी के सहयोग से यह कार्य किया जा रहा है। वक्फ बोर्ड के मुताबिक एक महीने के भीतर मस्जिद की अवैध घोषित सभी मंजिलों को पूरी तरह हटा दिया जाएगा। दरअसल, संजौली मस्जिद की चार मंजिला इमारत में से पहले ही दो ऊपरी मंजिलों को हटाया जा चुका है। अब बची हुई एक ऊपरी मंजिल को गिराने का काम चल रहा है। इसके लिए प्रस्तावित बजट को संबंधित विभाग से मंजूरी मिल चुकी थी, लेकिन कुछ कागजी औपचारिकताओं के कारण कार्रवाई में देरी हुई। अब सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद काम दोबारा शुरू कर दिया गया है।

मौके पर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने आवश्यक इंतजाम किए हैं। संजौली मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद लतीफ ने शुक्रवार को बताया कि हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करना सभी के लिए अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि मस्जिद कमेटी ने पहले ही नगर निगम आयुक्त से ऊपर की अवैध घोषित की गई तीन मंजिलों को हटाने की सहमति जताई थी। इस संबंध में हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देश भी मौजूद हैं। उन्हीं आदेशों के बाद अब शेष मंजिल को गिराने का कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मस्जिद की निचली दो मंजिलों ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर को लेकर हाईकोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं, इसलिए उन पर फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। गौरतलब है कि संजौली मस्जिद का मामला लंबे समय से कानूनी प्रक्रिया में है। इसी साल 3 मई को नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने मस्जिद के पूरे निर्माण को अवैध बताते हुए इसे गिराने का आदेश दिया था। इस फैसले को वक्फ बोर्ड और मस्जिद कमेटी ने सत्र न्यायालय में चुनौती दी, लेकिन जिला अदालत ने भी माना कि मस्जिद का निर्माण बिना वैध अनुमति के हुआ था और यह नगर निगम नियमों का उल्लंघन है। नगर निगम की ओर से अदालत में बताया गया था कि पुराने ढांचे को गिराने के बाद चार मंजिला नई इमारत बनाई गई थी। इसके लिए न तो कोई नक्शा पास कराया गया और न ही निर्माण की अनुमति ली गई। इसके बाद 5 अक्तूबर 2024 को नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने अनधिकृत हिस्से को हटाने का आदेश दिया। इसी आदेश के तहत तीसरी और चौथी मंजिल पहले ही गिराई जा चुकी हैं। निचली दो मंजिलों को नियमित करने का आवेदन नगर निगम ने 3 मई 2025 को खारिज कर दिया था। यह मामला करीब 16 वर्षों तक नगर निगम आयुक्त कोर्ट में चला और इस दौरान 50 से अधिक बार सुनवाई हुई। 31 अगस्त 2024 को शिमला के मैहली इलाके में दो गुटों के बीच हुई मारपीट के बाद यह विवाद और तेज हो गया था। इसके बाद सितंबर 2024 में संजौली में हुए विरोध प्रदर्शन में हिन्दू संगठनों व पुलिस के बीच झड़प में कई जख्मी हुए थे। पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करना पड़ा था।

ममता बनर्जी को 100 सीट भी नहीं जीतने देंगे - हुमायूं कबीर

-हुमायूं कबीर ने बनाई नई पार्टी

कोलकाता। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने अपनी अलग राजनीतिक पार्टी का ऐलान कर दिया है। कबीर ने अपनी पार्टी का नाम जनता उन्नयन पार्टी रखा है। पार्टी के चुनाव चिन्ह के लिए हुमायूं कबीर ने कहा कि उनकी पहली पसंद 'टेबल' है। दूसरी पसंद जोड़े गुलाब (ट्विन रोजेज) है।

294 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना
हुमायूं कबीर ने बताया कि वह जरूरत पड़ने पर सभी 294 सीटों पर अपने उम्मीवार उतारेंगे। सोमवार को जिले के रेजीनगर में आयोजित सभा से पार्टी के नाम की उन्होंने औपचारिक घोषणा की। सभा को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं।

हुमायूं ने अपनी पार्टी का रखा ये नाम
हुमायूं ने मीडिया से कहा कि उनकी पार्टी सिर्फ आम लोगों के विकास की बात करेगी। उसी आधार पर जनता उन्नयन पार्टी नाम रखा गया है। उन्नयन का मतलब विकास है। कबीर ने तृणमूल और भाजपा के विरोधियों से अपील की कि वे एकजुट हों और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाने के लिए गठबंधन में चुनाव लड़ें। हुमायूं कबीर ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में टीएमसी की ममता बनर्जी को 100 सीट भी नहीं जितने देंगे।

आजम खान भड़काऊ भाषण मामले में दोषमुक्त

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और रामपुर के पूर्व सांसद मोहम्मद आजम खान को भड़काऊ भाषण मामले में बड़ी राहत मिली है। रामपुर की MP-MLA स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए आजम खान को दोषमुक्त कर दिया। यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान दर्ज कराया गया था। बता दें कि आजम खान 17 नवंबर 2025 से रामपुर जेल में बंद हैं। MP-MLA कोर्ट ने उन्हें सात साल की सजा सुनाई थी और उन पर सबसे अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें से ज्यादातर अब भी विचाराधीन हैं। ऐसे में आज आया यह फैसला उनके लिए कानूनी मोर्चे पर बड़ी राहत साबित हुआ है। विवादित भाषण का यह मामला 2019 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी–बसपा गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में रामपुर से आजम खान के चुनाव लड़ने के दौरान का है।

शेष पृष्ठ 2 पर....

मुख्यमंत्री जैसे उच्च पदों पर बैठे नेता महिला सम्मान को ठेस पहुंचाते हैं

-मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मंच पर ही महिला का नकाब हटाने की हरकत से देश का पूरा मुस्लिम समाज नाराज़

-क्या मुख्यमंत्री का मानसिक संतुलन गड़बड़ा गया है ?

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मंच पर एक मुस्लिम महिला का नकाब अपने हाथों से सार्वजनिक रूप से हटाने की घटना से पूरे महिला वर्ग के सम्मान को तो ठेस पहुंची ही है साथ में देश का मुस्लिम वर्ग भी गुस्से में है। राजनीति के उच्च पदों पर बैठे नेता जब ऐसी हरकत करेंगे तो समाज में राजनीतिक कार्यकर्ताओं से क्या अपेक्षा की जा सकती है ? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार प्रदेश के उच्च संवैधानिक पद पर विराजमान हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक लंबा राजनीतिक अनुभव है। नीतीश कुमार को सभी धार्मिक मान्यताओं की अच्छी जानकारी है। वह यह भी जानते हैं कि इस्लाम में हिजाब और नक़ाब का कितना महत्व है। वैसे भी महिला किसी भी समाज, वर्ग एवं धर्म की हो उसकी बिना मर्जी के उसे कोई छू नहीं सकता। यदि मंच पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जगह कोई आम कार्यकर्ता ऐसा करता तो क्या होता ? भारत में पर्दा एवं नक़ाब महिला सम्मान का सूचक है। महिलाओं से छेड़छाड़ या लज्जा भंग करने पर हत्या तक कर दी जाती है। यदि मंच पर मुस्लिम महिला की जगह कोई दूसरे समाज की महिला होती तो नीतीश कुमार ऐसा कर पाते हैं ? यदि ऐसा वे कर भी लेते तो बिहार इतना शांत नहीं रह सकता है। देश में वर्तमान में एक मुस्लिम समाज ही ऐसा समाज है जो देश के कानून का सबसे ज्यादा पालन करता है। सबसे ज्यादा सहनशील है और सबसे ज्यादा धैर्यवान है। मोबलीचिंग, बुलडोजर घटनाएं, सार्वजनिक स्थानों पर बेइज्जती सहन करने के बाद भी मुस्लिम वर्ग धैर्य बनाए बैठा है। मुस्लिम वर्ग यह भी जानता है कि मुसलमान को उकसाने की जानबूझकर घटनाएं अंजाम दी जा रही हैं। देश की राजनीति में मुसलमान को सिर्फ राजनीतिक टूल बना दिया है। चुनाव में राजनीतिक दलों की हार जीत मुसलमान के पक्ष और विरोध करने से होती है। राजनीतिक दल सिर्फ सत्ता में बने रहना चाहते हैं, उनको देश के विकास से ज़्यादा कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए हिजाब खींचने की घटना को भी एक राजनीतिक घटना में बदल दिया गया। दूसरी तरफ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति ठीक दिखाई नहीं देती है। इस तरह की घटना वे जान बूझकर नहीं कर सकते। इसलिए उन्हें पद पर रहना चाहिए या नहीं रहना चाहिए विचार करने योग्य है।

क़सम ले लो कि तुम

हर शख़्स को तुम
बेहद पसन्द आओगे
पहले मुस्कुराओगे,
फिर बाहें फैलाओगे
और कानों के ज़रिए दिल में उतर जाओगे
तुम्हारी शख्सियत में
लगाव है खिंचाव है
दिलफरेब खुशबू में
दुनियां भुलाओगे
और कानों के ज़रिए दिल में उतर जाओगे
उम्र के तकाज़े हैं
ढोल नगाड़े ताशे हैं
आर्केस्ट्रा की धुन पर
सबको नचाओगे
और कानों के ज़रिए दिल में उतर जाओगे
शाम के हवाले से
या दिल के छाले से
झूठ सच मिलाकर
छत पर बुलाओगे
और कानों के ज़रिए दिल में उतर जाओगे
घूमाओगे फिराओगे
असासा दिलाओगे
मन के ठहरे पानी में
हलचल मचाओगे
और कानों के ज़रिए दिल में उतर जाओगे
हंसी के ठहाकों में
उलझे हुए धागों में
बांधकर फिर मुझको
उम्रभर सताओगे
और कानों के ज़रिए दिल में उतर जाओगे

-फ़ज़लुर्रहमान

ग़ज़ल

उस घर पे रब की मेहरबानियां है,
जिसमें बच्चों की किलकारियां हैं।
दूर रहते हो क्यों मुझसे इतना ?
पास रहने में क्या दुश्वारियां हैं ?
इलाही यह कैसा दौर आ गया है,
हर तरफ बर्बादियां ही बर्बादियां हैं।
बुरे लोगों से बस दूर ही रहना,
उनकी खसलत में भारी अय्यारियां हैं।
आहो ज़ारी से रोकते क्यों हो,
हम पे क्यों इतनी मेहरबानियां हैं।
गरीबों को मयस्सर नहीं दो वक़्त की रोटी,
अमीरों के यहां गिज़ा की फरावानियां हैं।
कुछ तो फरमाइए खामोश क्यों हैं ?
क्या ज़बा पर भी पहरेदारियां हैं ?
अजब नहीं वोह अभी आ जाएँ,
बढ़ रही हमारी बेताबियां हैं।
खोए खोए से क्यों रहते हैं आप ?
बताइए क्या आपको परेशानियां हैं ?
जब थकते ना थे कभी बातें करते,
चेहरे पे आज छाई खामोशियां हैं।
जिंदगी के गुनाहों की तौबा कर लो "हबीब"
वरना आखिरत में रुसवाईयां ही रुसवाईयां हैं

-हबीबुल्लाह एडवोकेट,
जवाहर नगर, जयपुर

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

Scan Here

-संपादक

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

राजपिकॉन-25 के मंच से राजपिकॉन-26 का भव्य शुभारम्भ

-विश्वविख्यात पर्यटन स्थल रणथम्भौर में होगा राजपिकॉन-26 का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित वार्षिक चिकित्सा सम्मेलन राजपिकॉन-25 के दौरान आगामी सम्मेलन राजपिकॉन-26 का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन में उपस्थित वरिष्ठ चिकित्सकों एवं प्रतिनिधियों के समक्ष राजपिकॉन-26 से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गई। उद्घाटन अवसर पर आयोजन सचिव डॉ. सुमीत गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि राजपिकॉन-26 का आयोजन राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले

में स्थित विश्वविख्यात पर्यटन स्थल रणथम्भौर में किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने सम्मेलन की प्रस्तावित तिथियों, आयोजन स्थल, शैक्षणिक गतिविधियों से संबंधित आवश्यक जानकारी दी। राजपिकॉन-26 के उद्घाटन की घोषणा के साथ ही चिकित्सा समुदाय में विशेष उत्साह देखने को मिला। उपस्थित चिकित्सकों ने आगामी सम्मेलन में सहभागिता की इच्छा व्यक्त करते हुए इसे चिकित्सा ज्ञान के आदान-प्रदान एवं अकादमिक उन्नयन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजन बताया। राजपिकॉन-26 के औपचारिक उद्घाटन के साथ ही सम्मेलन की पूर्व तैयारियां प्रारम्भ हो गई है। आयोजन को लेकर चिकित्सकों में सकारात्मक ऊर्जा, व्यापक उत्सुकता और उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिल रहा है।

मम्मू कॉलोनी में गंदगी का साम्राज्य, टूटी सड़कों और कीचड़ से आमजन का जीना मुहाल

महवा/दौसा (रॉयल पत्रिका)। उपखंड मुख्यालय महवा की मम्मू कॉलोनी और शिव कॉलोनी के लोग इन दिनों नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। नगरपालिका प्रशासन की अनदेखी के चलते पूरी कॉलोनी में गंदगी का अंबार लगा हुआ है और रास्ते कीचड़ से सने पड़े हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कॉलोनी की मुख्य सड़क और नाला दोनों ही बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। विशेष रूप से शमशेर के मकान के पास स्थित नाला पूरी तरह टूट गया है, जिससे गंदा पानी रास्तों पर फैल रहा है। हालात यह हैं कि यहां से पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। सड़कें टूटी होने के

कारण नगरपालिका की कचरा संग्रहण गाड़ियां भी अंदर तक नहीं पहुंच पा रही हैं, जिससे लोग कचरा बाहर फेंकने को मजबूर हैं। कॉलोनीवासियों का आरोप है कि वे इस समस्या को लेकर कई बार नगरपालिका प्रशासन को ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। गंदगी और जलभराव के कारण क्षेत्र में जहरीले कीड़े-मकोड़े पनप रहे हैं और मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क और नाले की मरम्मत करवाने की मांग की है।

पेचवर्क के नाम पर खानापूर्ति का आरोप, कच्ची मिट्टी पर डामर डालने से ग्रामीणों में रोष

हिंडौन सिटी (करौली)। क्षेत्र के जमालपुर रोड पर चल रहे सड़क पेचवर्क कार्य में गुणवत्ता की कमी को लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है और विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा काम में भारी लापरवाही बरती जा रही है। ग्रामीण रामधार, बाबू, गोविन्द, जगन्नाथ, मानसिंह और अन्य लोगों ने बताया कि पिछले 10-15 सालों से यहां सड़क का कोई काम नहीं हुआ था। अब जब काम शुरू हुआ, तो वह भी केवल खानापूर्ति लग रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार ने गड्डों में गिट्टी डालने के बजाय

कच्ची सड़क और कंकरीली मिट्टी के ऊपर ही डामर बिछा दिया। उनका कहना है कि कई जगह गड्ढे ऐसे ही छोड़ दिए गए हैं। लोगों ने आशंका जताई है कि बिना सही बेस के बनी यह सड़क कुछ दिन भी नहीं टिक पाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस कार्य की गुणवत्ता की जांच करवाई जाए और सही तरीके से सड़क का निर्माण हो।

जूनसिया गांव में शहीद महेंद्र सिंह शेखावत की मूर्ति का अनावरण

-शहीदों की वीरता और विकास कार्यों पर जोर

चौमूं/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के किशनगढ़ रेनवाल तहसील के जूनसिया गांव में आज शौर्य और सम्मान का अद्भुत संगम देखने को मिला। शहीद महेंद्र सिंह शेखावत की प्रतिमा का भव्य समारोह में अनावरण किया गया, जहां सेना की वीरता, राष्ट्रभक्ति और युवाओं को प्रेरणा देने का संदेश दिया गया। किशनगढ़ रेनवाल तहसील के ग्राम जूनसिया स्थित शहीद स्मारक परिसर में बुधवार को शहीद महेंद्र सिंह शेखावत की प्रतिमा का भव्य समारोह में अनावरण किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ रहे। राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि शहीदों का बलिदान राष्ट्र की सबसे बड़ी धरोहर है। आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति बन चुका है और इसके पीछे हमारे जवानों का अदम्य साहस है। "कार्यक्रम में भारतीय सेना की वीरता, सर्जिकल स्ट्राइक और आतंकवाद के खिलाफ अभियानों को याद किया गया। मुख्य वक्ता सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह

राठौड़ ने शहीद महेंद्र सिंह शेखावत के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। शहीद महेंद्र सिंह शेखावत का जीवन देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके बलिदान से हमें राष्ट्र सेवा की सीख मिलती है।" सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर ने कहा कि शहीद किसी जाति या परिवार के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए जन्म लेता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयपुर ग्रामीण लोकसभा सांसद प्रतिनिधि राजकुमार देवायूष सिंह ने की। जयपुर ग्रामीण लोकसभा कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चोपड़ा ने कहा कि शहीदों की प्रतिमाएं बच्चों और युवाओं को देशभक्ति की सीख देती हैं। युवाओं को शहीदों से प्रेरणा लेकर देश का नाम रोशन करना चाहिए।" समारोह में जनप्रतिनिधियों के साथ संत–महंतों की गरिमामयी उपस्थिति रही। शहीद के पिता विजय सिंह, माता प्रकाश कंवर, धर्मपत्नी उषा कंवर और बहन रक्षा कंवर भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि शहीद महेंद्र सिंह शेखावत की यूनिट आईएनएस अभिमन्यु, मुंबई के लगभग 200 मरीन कमांडो भी समारोह में शामिल हुए और शहीद को नमन किया। जूनसिया गांव में आयोजित यह समारोह न सिर्फ शहीद को श्रद्धांजलि था, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए देशभक्ति और बलिदान का मजबूत संदेश भी था।

प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह

-खटीक समाज विकास समिति द्वारा 255 प्रतिभाएं हुई सम्मानित

चौमूं /जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खटीक समाज विकास समिति प्रतापनगर के तत्वावधान में प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन मोर बैंक्वेट एंड रिसोर्ट सीतापुर में आरएएस अशोक सांखला की अध्यक्षता में आयोजित हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बतौर कठूमर विधायक रमेश खिंची, कांग्रेस नेता महेंद्र राजोरिया,आई आर एस दिनेश बड़गुर्जर, आरएएस डॉ.सुवा लाल पहाड़िया, दूरदर्शन अधिकारी राजेंद्र प्रसाद चेतीवाल,उप जिला कलेक्टर राहुल मल्होत्रा, आरएएस अशोक सांखला, राजेश बड़गुर्जर, सुंदर लाल ओसवाल, इनकमटैक्स ऑफिसर राजेश बड़गुर्जर,राज नारायण बूटोंलिया,मानसी कैलाश सांखला, एडवोकेट महेश चावला, पुलिस निरीक्षक विनोद सांखला,लेखराज खींची सहित भामाशाह मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के आदिगुरु राष्ट्रीय संत दुर्बलनाथ,डॉ.भीमराव अंबेडकर एवं समिति के संस्थापक स्व. ताराचंद खांची की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्पार्पित कर किया गया । कार्यक्रम में विधायक खींची ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि समाज को आपस में

एक दूसरे का सहयोग कर उसे आगे बढ़ाने की आवश्यकता है शिक्षा से ही समाज का विकास और उत्थान संभव है इसलिए सभी को अपने बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाने पर बल दिया ताकि भावी पीढ़ी समाज और राष्ट्र निर्माण में अपना बेहतर योगदान दे सके। कार्यक्रम में मंचसीन अतिथियों को को माला, साफा सोल उढ़ाकर एवं भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया, कार्यक्रम में 10वीं, 12वीं बोर्ड टॉपर्स,NEET, IIT, सरकारी सेवा में नव चयनित एवं भामाशाह सहित कुल 255 शख्सियतों को सम्मानित किया गया, समाज के भावी कर्णधार के सम्मान में पूरा पांडाल तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम में परिचय पुस्तिका का विमोचन किया गया मानसी कैलाश सांखला,अशोक सांखला, डॉ.पवित्र खींची,लवकुमार खींची समाज सेवी एवं भामाशाहों के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन हुआ। समिति द्वारा सभी भामाशाहों का शानदार अभिनन्दन और सम्मान किया गया अध्यक्ष हनुमान सहाय दायमा,महामंत्री विनोद खींची,कोषाध्यक्ष टीकम चंद दायमा,उपाध्यक्ष केशर लाल सांखला,उपाध्यक्ष श्याम लाल सामरिया,उपाध्यक्ष नरेन्द्र टेपण,रमेश मंडावत, मांगेजा राम खन्ना अनेक सदस्यों समाज सेवियों पदाधिकारी की मौजूदगी ने आयोजन को यादगार एवम ऐतिहासिक बना दिया कार्यक्रम में अंतराष्ट्रीय भवाई नृत्य कलाकार अशोक पहाड़िया ने अपनी प्रस्तुति देकर सभी को हर्ष और आनंद से विभोर कर दिया। कार्यक्रम का मंच कन्हैया लाल चावला राहौली ने किया।

संत सुधा सागर पब्लिक स्कूल में सीबीएसई एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

-शिक्षकों को बताई गई आधुनिक शिक्षण विधियाँ

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। संत सुधा सागर पब्लिक स्कूल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के तत्वावधान में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय "एज्युकेटिंग पेरेंट्स अबाउट एजुकेशन" रखा गया, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को अभिभावकों के साथ प्रभावी संवाद तथा शिक्षा में उनकी सहभागिता के महत्व से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. एम. आर. वर्मा द्वारा व रिसोर्स पर्सन द्वारा मां सरस्वती व भगवान आदिनाथ के समकक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। प्रशिक्षण सत्र के दौरान रिसोर्स पर्सन डॉ. सारिका मोहता एवं सुकांता कर ने शिक्षकों को वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुसार शिक्षण की आधुनिक एवं नवाचारी विधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभिभावकों को शिक्षा प्रक्रिया से जोड़कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण

विकास को कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है। रिसोर्स पर्सन द्वारा कक्षा-कक्ष में प्रभावी शिक्षण, सकारात्मक वातावरण निर्माण, मूल्य-आधारित शिक्षा तथा अभिभावक-शिक्षक समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हुकुम जैन एवं सचिव नरेश वैध ने शिक्षा में नवाचारों पर बल देते हुए कहा कि संत सुधा सागर पब्लिक स्कूल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की शैक्षणिक संयोजक योगेश्वरी सोनी ने रिसोर्स पर्सन का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

पृष्ठ एक का शेष....

आजम खान भड़काऊ भाषण मामले में दोषमुक्त......

आरोप था कि आजम खान ने रामपुर सपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रशासन और अधिकारियों के खिलाफ भड़काऊ टिप्पणी की थी। तत्कालीन कांग्रेस नेता और अब आम आदमी पार्टी से जुड़े फैसल खान लाला ने रामपुर शहर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। फैसल खान लाला ने आरोप लगाया था कि आजम खान ने कार्यकर्ताओं को उकसाने के लिए कहा था कि "अधिकारियों ने पहले जिन जिलों में काम किया है, वहां कमजोरों को तेजाब डालकर गलाया गया है और अब वे रामपुर को खून से नहलाना चाहते हैं।" वादी पक्ष की ओर से भाषण की कथित वीडियो सीडी भी कोर्ट में सबूत के तौर पर पेश की गई थी। करीब चार साल बाद इस मामले पर दोनों पक्षों की बहस पूरी हुई और सोमवार को MP-MLA कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित नहीं कर सका। अदालत ने आजम खान को आरोप से मुक्त कर दिया।कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि यह फैसला आजम खान के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उनके खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। आने वाले दिनों में अन्य मामलों में भी सुनवाई तेज हो सकती है।

पृष्ठ एक का शेष....

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लखपति दीदियों से........

उन्होंने कहा कि उनके व्यवसाय में अब उनके परिवार का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। राजकुमारी शर्मा ने बताया कि उन्होंने क्लस्टर कॉर्डिनेटर के रूप में काम किया है तथा अभी पोषण सखी के रूप में कार्य कर रही है। वे महिलाओं को पार्लर के व्यवसाय से भी जोड़ रही हैं। उन्होंने लखपति दीदी योजना के लिए केन्द्र व राज्य सरकार का आभार जताया।

राजीविका से जुड़ी महिलाएं इस कड़ी को आगे बढ़ाएं-

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तीकरण एवं आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिखा जा रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि राजीविका से जुड़ी महिलाएं इस कड़ी में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को जोड़ें। हमारी सरकार महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने वालों को प्रोत्साहित करेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मुख्य कार्यक्रम में वीसी के माध्यम से विभिन्न जिलों की लाभार्थियों से भी संवाद किया। अलवर जिले से शारदा ने बताया कि वे राजीविका के माध्यम से 2 लाख रुपये वार्षिक कमा रही हैं। वहीं गीता देवी ने बताया कि उन्होंने पहले ऋण लेकर पढ़ाई पूरी की और उसके बाद मसाले का काम शुरू किया है, जिससे उनकी 10 हजार रुपये प्रतिमाह आय हो रही है। इसी तरह बांसवाड़ा की निर्मला ने बताया कि वे क्लस्टर कॉर्डिनेटर के रूप में कार्य कर लगभग 20 हजार रुपये प्रतिमाह कमा रही हैं। बाड़मेर की लता कुमारी ने बताया कि पहले उनके घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी लेकिन राजीविका से जुड़ने के बाद वे स्वयं के व्यवसाय के साथ ही पति के व्यवसाय में भी सहयोग कर रही है। राजसमंद की निर्मला एवं उदयपुर की संगीता ने बताया कि वे राजीविका के माध्यम से अपने परिवार का संबल बन रही हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती श्रेया गुहा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिल्ली निवास पर कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी में राजस्थान एम डी चौपदार को सौंपी चादर

नई दिल्ली । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पंसख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष व चेयरमैन राजस्थान मदरसा बोर्ड राज्यमंत्री राजस्थान सरकार एम.डी.चोपदार ने बताया की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंद वली ख्वाजा गरीब नवाज अजमेर शरीफ के उर्स के मुबारक मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकाअर्जुन खड़गे एवं कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यसभा के सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने आज 19 दिसंबर 2025 शुक्रवार को नई दिल्ली मे कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकाअर्जुन खड़गे जी के निवास पर अजमेर शरीफ के लिए वरिष्ठ नेताओ और कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को अजमेर शरीफ के लिए चादर सौंपीं। अल्पसंख्यक विभाग का प्रतिनिधिमंडल आगामी 24 दिसम्बर को अजमेर शरीफ़ दरगाह पर पहुँचकर दरगाह मुबारक पर चादर पेश करेगा। कांग्रेस पार्टी की ओर से अजमेर शरीफ दरगाह में ख्वाजा गरीब नवाज़ (रह.) के मजार मुबारक पर चादर पेश कर देश में अमन-चैन, आपसी भाईचारे, संविधान की मजबूती, एकता-अखंडता और हर नागरिक की खुशहाली का संदेश दिया गया। राज्यसभा सांसद नासिर हुसैन, सांसद मोहम्मद जावेद, तारिक अनवर, सलमान खुर्शीद, प्रणव झा, गुरदीप सप्पल, आरिफ नसीम अमीन कागजी जाकिर गैसावत, धर्मेन्द्र राठौड़, सलावत खां, मकसूद अहमद, आर्यन जुबेर, इमरान तिजारा,सादीक चौहान, असलम निर्वाण, चांद मोहम्मद चिश्ती, रशीदा खान, नियाज अहमद (निकू भाई), वाजिद अली चीता, मुख्तार अहमद, एडवोकेट सगीर अहमद, अनीश खान,साहुन खान, गुलसाद खान,इमरान चौधरी इस मौके पर सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारी मौजूद रहे।

सुन्नी दावते इस्लामी युवाओं को देश व समाज की तरक्की के लिए करेगी जागरूक

-जश्ने ईद मिलादुन्नबी एवं उर्से ख्वाजा गरीब नवाज इज्तेमा 24 को

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सुन्नी दावते इस्लामी की ओर से 1500वां जश्ने ईद मिलादुन्नबी एवं 814वां उर्से ख्वाजा गरीब नवाज समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। जिसमें देशभर से इस्लामिक विद्वान आएंगे तथा विषयवार व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम आयोजक मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी ने बताया कि 24 दिसंबर को शाम 7 बजे आरएसी रोड, तोपखाना घाटगेट पर आयोजित जश्ने गरीब नवाज मुफ्ती-ए-जयपुर शहर मौलाना मुफ्ती अब्दुस्सत्तार रजवी साहब की सरपरस्ती में आयोजित होगा। जिसमें मुख्य अतिथि मौलाना मुहम्मद शाकिर अली नूरी साहब अमीर सुन्नी दावते इस्लामी (मुम्बई) ख्वाजा गरीब नवाज की जीवनी पर प्रकाश डालेंगे। मुख्य वक्ता आले रसूल अल्हाज मौलाना सय्यद अमीनुल कादरी साहब किब्ला (मालेगांव) इस्लाम की बुनियादी व अखलाकी तालीम को आम करना और समाज में मॉडर्न एजुकेशन पर विस्तार से प्रकाश डालेंगे। इसी प्रकार आले रसूल अल्हाज मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी साहब (जयपुर) हिंदुस्तान सूफी विचारधाराओं औलिया अल्लाह ख्वाजा गरीब नवाज के मानने वालों का है, इसमें सूफी विचार व औलिया अल्लाह की सुफिज्म शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। युवाओं को समाज सेवा के कामों के लिए जागरूक करना, देश व समाज की तरक्की और खुशहाली के लिए हर संभव प्रयास करना संबंधी विषय पर विस्तार से व्याख्यान देंगे। इज्तेमा की निजामत मौलाना कारी वली मुहम्मद शेरी करेंगे। कारी जाहिद हुसैन नूरी की कयादत में आयोजित इस सुन्नी इज्तेमा का सलातो सलाम व खुसूसी दुआ के साथ समापन होगा।

पैगंबर मोहम्मद के 41वें वंशज से मिले पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों पश्चिम एशिया और अफ्रीका के अहम दौरे पर हैं। इस यात्रा के पहले पड़ाव पर वे जॉर्डन पहुंचे, जहां उनका भव्य और शाही स्वागत किया गया। जॉर्डन के शासक किंग अब्दुल्ला द्वितीय ने जिस आत्मीयता और गरिमा के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया, उसने लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक ही सवाल गूंजने लगा, कौन हैं किंग अब्दुल्ला द्वितीय, जिनका संबंध सीधे पैगंबर मोहम्मद से बताया जाता है?

पैगंबर मोहम्मद के वंशज हैं किंग अब्दुल्ला द्वितीय-

किंग अब्दुल्ला द्वितीय जॉर्डन के हाशमी शाही परिवार से आते हैं। हाशमी वंश को इस्लामी इतिहास में विशेष स्थान प्राप्त है। यह वंश पैगंबर मोहम्मद के परदादा हाशिम बिन अब्द मुनाफ से जुड़ा है। हाशमी परिवार पैगंबर मोहम्मद की बेटी फातिमा और उनके पति हज़रत अली के जरिए उनके वंशज माने जाते हैं। इस कारण किंग अब्दुल्ला द्वितीय को पैगंबर मोहम्मद का 41वां प्रत्यक्ष वंशज माना जाता है।

मक्का से जॉर्डन तक शाही सफर-

हाशमी परिवार ने सदियों तक सऊदी अरब के हिजाज़ क्षेत्र और मक्का पर शासन किया। वर्ष 1201 से 1925 तक इस परिवार का मक्का पर प्रभाव रहा। साल 1916 में ग्रेट अरब विद्रोह के दौरान किंग अब्दुल्ला द्वितीय के परदादा शरीफ हुसैन बिन अली ने उस्मानी शासन के खिलाफ बगावत का नेतृत्व किया। इसी संघर्ष के बाद आधुनिक अरब राज्यों की नींव पड़ी।

जॉर्डन की स्थापना और सत्ता की विरासत-

साल 1921 में ट्रांसजॉर्डन अमीरात की स्थापना हुई और 1946 में यह स्वतंत्र होकर हाशमी किंगडम ऑफ जॉर्डन बना। देश के पहले शासक बने किंग अब्दुल्ला प्रथम, जिन्होंने आधुनिक जॉर्डन की राजनीतिक और संवैधानिक नींव रखी। 1951 में उनकी हत्या के बाद सत्ता उनके बेटे किंग तलाल और फिर किंग हुसैन के पास आई।

मनरेगा ख़त्म करने के विरोध में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राजस्थान ज़िला परिषद के तत्वावधान में नईमुद्दीन आकिल, सचिव भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सान्निध्य में सभी साथियों के साथ केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा ख़त्म करने के विरोध में वी बी जी रामजी बिल के खिलाफ राष्ट्रीय आह्वान के तहत सोमवार 22 दिसंबर को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया।

अरावली पर्वतमाला के अस्तित्व पर गंभीर संकट- नाज़िमुद्दीन

-खनन की अनुमति से राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत के भविष्य पर ख़तरा

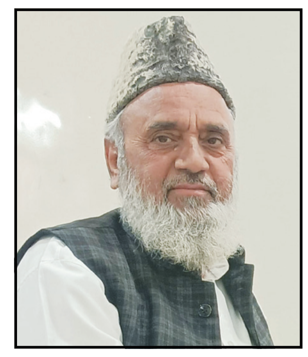

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मुहम्मद नाज़िमुद्दीन ने सुप्रीम कोर्ट का ध्यान अरावली पर्वतमाला के भविष्य से जुड़े अत्यंत गंभीर पर्यावरणीय संकट की ओर आकृष्ट करते हुए कहा है कि हालिया न्यायिक परिभाषा, जिसके तहत केवल 100 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले भू-भाग को ही 'अरावली' माना गया है, इस प्राचीन पर्वतमाला के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से को कानूनी संरक्षण से बाहर कर देती है। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि यदि इस परिभाषा के आधार पर बड़े पैमाने पर खनन की अनुमति दी गई, तो इसका परिणाम केवल पहाड़ों के विनाश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जलस्रोतों का पतन, मरुस्थलीकरण, वायु प्रदूषण में तीव्र वृद्धि और लाखों लोगों के जीवन व स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, अरावली मात्र मिट्टी एवं पत्थरों की श्रृंखला नहीं है, बल्कि यह राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली-एनसीआर के लिए जल-रक्षा कवच, धूल-प्रदूषण अवरोध और जलवायु संतुलन का आधार है। इसे तकनीकी परिभाषाओं के माध्यम से कमज़ोर करना आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा।" उन्होंने विशेष रूप से यह रेखांकित किया कि अरावली क्षेत्र राजस्थान के कई जिलों में भूजल पुनर्भरण (Groundwater Recharge) का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। खनन से पहाड़ियों की प्राकृतिक संरचना नष्ट हो जाएगी, जिससे कुएँ, बावड़ियाँ और जलधाराएँ सूख जाएँगी, और किसान तथा ग्रामीण समुदाय सबसे अधिक प्रभावित होंगे। उन्होंने माननीय सर्वोच्च न्यायालय से सादर अपील की है कि: अरावली पर्वतमाला की परिभाषा पर पुनर्विचार किया जाए और इसे केवल ऊँचाई के बजाय पारिस्थितिकीय निरंतरता, ढाल, वनस्पति और जल-संरक्षण भूमिका के आधार पर तय किया जाए। अरावली क्षेत्र में नए खनन पट्टों पर पूर्ण रोक लगाई जाए और संवेदनशील क्षेत्रों में चल रहे खनन को चरणबद्ध ढंग से बंद किया जाए। पूरे क्षेत्र में अनाधिकृत खनन रोकने के लिए कठोर क़दम उठाए जाएं। अरावली को 'क्रिटिकल इकोलॉजिकल ज़ोन' घोषित कर इसे दीर्घकालिक और सख़्त कानूनी संरक्षण प्रदान किया जाए। नाज़िमुद्दीन ने कहा कि "विकास के नाम पर प्रकृति का विनाश न तो संविधान की भावना के अनुरूप है और न ही मानवता के हित में। सुप्रीम कोर्ट से हमें उम्मीद है कि वह पर्यावरण संरक्षण, जनस्वास्थ्य और अंतर-पीढ़ी न्याय को प्राथमिकता देगा।"

जयपुर रसद अधिकारी ने 546 गैस सिलेंडर जब्त किए

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला रसद अधिकारी प्रथम ने जयपुर में अवैध गैस रिफिलिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ऑपरेशन प्रवर्तन के तहत प्राप्त सूचना के आधार पर जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम द्वारा तत्काल दो विशेष सतर्कता दलों का गठन किया गया। जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण के नेतृत्व में गठित इन सतर्कता दलों द्वारा जयपुर शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध गैस रिफिलिंग के मामलों का पर्दाफाश किया गया। प्रथम सतर्कता दल द्वारा सत्यम रेजिडेंसी के पास, जगतपुरा वार्ड संख्या 68 जयपुर में दबिश दी गई। मौके पर अवैध गैस रिफिलिंग करते हुए कुल 441 कॉमर्शियल गैस सिलेंडर जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान हिंदुस्तान पेट्रोलियम अंकित एक ट्रक से भारत पेट्रोलियम के 322 भरे हुए सिलेंडर, एक पिकअप वाहन से 13, एक अल्टो कार से 03, एक कमरे से 10 तथा एक पेड़ के नीचे जमीन पर रखे 93 कॉमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद किए गए। मौके पर एचपीसीएल एवं बीपीसीएल दोनों कंपनियों के सिलेंडर पाए गए। इसके अतिरिक्त मौके से 03 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया तथा 03 मोबाइल फोन, 01 भट्टी, 02 रबर पाइप एवं 02 रेगुलेटर जब्त किए गए। द्वितीय सतर्कता दल द्वारा बड़ा रामद्वारा, सांगानेर जयपुर में दबिश दी गई। यहां से 21 घरेलू एवं 84 कॉमर्शियल गैस सिलेंडर, कुल 105 सिलेंडर जब्त किए गए। साथ ही अवैध रिफिलिंग में प्रयुक्त सामग्री 05 रेगुलेटर, 02 रबर पाइप, 01 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 01 भट्टी, 02 रिफिलिंग बॉसूरी तथा सांगानेर गैस एजेंसी के बिल वाउचर भी जब्त किए गए। इस प्रकरण में 01 व्यक्ति को मौके से पकड़ा गया। दोनों कार्रवाइयों के दौरान कुल 546 घरेलू एवं कॉमर्शियल गैस सिलेंडर, 01 पिकअप वाहन, 01 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 02 रिफिलिंग बांसुरी, 07 रेगुलेटर, 02 भट्टी एवं 04 रबर पाइप जब्त किए गए। साथ ही मौके से कुल 04 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि अवैध गैस रिफिलिंग न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि जन सुरक्षा के लिए भी अत्यंत घातक है। इस प्रकार की गतिविधियों के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

शांति समिति की बैठक में निशात हुसैन को किया सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नगर निगम हेरिटेज सभागार में शांति समिति की बैठक गुरुवार 17 दिसंबर को सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत सर्व प्रथम सभी सदस्यों के परिचय से शुरू हुई। बैठक में मुख्य रूप से ट्रैफिक व्यवस्था, अतिक्रमण, नशा मुक्ति एवं शांति व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। सभी सदस्यों से शांति व्यवस्था को लेकर सुझाव मांगे गए। सदस्यों ने अपनी-अपनी बात बैठक में रखी। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने सभी के विचार सुनकर आश्वस्त किया कि बेहतर पुलिसिंग के माध्यम से सभी बातों पर ध्यान दिया जाएगा। शांति समिति की बैठक में निशात हुसैन को फूलों का गुल दस्ता देकर सम्मानित किया गया। बैठक की अध्यक्षता पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने की। इस बैठक में शांति समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

चारदीवारी–आमेर में रोक के खिलाफ ई-रिक्शा चक्का जाम

-जयपुर ट्रैफिक अलर्ट, पर्यटक बसों का रूट बदला, सांगानेरी गेट से एंट्री–रामगढ़ मोड़ से एग्जिट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर में ई-रिक्शा बैन पर विरोध तेज हो गया है। चारदीवारी और आमेर क्षेत्र में रोक के खिलाफ ई-रिक्शा संचालकों ने चक्काजाम कर दिया। आमेर रोड पर संचालकों के बड़े प्रदर्शन के कारण यातायात प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने पर्यटन सीजन को देखते हुए ट्रैफिक प्लान सख्त कर दिया है। 10 जनवरी तक ई-रिक्शा और हल्के वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। जयपुर ट्रैफिक अलर्ट के अनुसार पर्यटक बसों का रूट भी बदला गया है, अब बसों की सांगानेरी गेट से एंट्री और रामगढ़ मोड़ से एग्जिट होगी।

सड़कों पर उतरी कांग्रेस, नेशनल हेराल्ड केस को लेकर जयपुर में उग्र प्रदर्शन

-नेताओं ने दी गिरफ्तारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में कांग्रेस ने 17 दिसम्बर बुधवार को बीजेपी मुख्यालय की ओर कूच किया। पुलिस ने बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक दिया। कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हो गई। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गोविंद सिंह डोटासरा को अपने कंधों पर उठा लिया। वहीं, विधायक मनीष यादव बैरिकेड पर चढ़कर दूसरी ओर उतरने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें डंडे से रोका। उनका संतुलन बिगड़ गया और वे गिर पड़े। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस नेता बेहोश होकर गिर पड़ीं। पुलिस ने पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली,अमीन कागजी,रफीक खान,गोपाल मीणा,मनीष यादव समेत कई प्रमुख नेताओं को हिरासत में ले लिया। दरअसल, कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार संवैधानिक संस्थाओं, विशेषकर ईडी का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को राजनीतिक प्रतिशोध के तहत परेशान कर रही है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- बीजेपी का चाल, चरित्र और चेहरा तीनों जनता के सामने आ गया है। बीजेपी वाले भ्रष्टाचार को लेकर आरोप लगाते हैं, लेकिन अगर वह बीजेपी जॉइन कर ले तो उसके सारे पाप माफ हो जाते हैं। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा बोले- नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी से 55-55 घंटे पूछताछ की। उन्हें परेशान किया गया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्थिति साफ कर दी। सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने उस वक्त भी कहा था कि यह ईडी का मामला नहीं बनता है। उन्होंने कहा था कि केवल डराने और धमकाने के लिए, राजनीतिक षड्यंत्र के आधार पर यह मुकदमा चालू किया गया है। सत्य की जीत होगी और षड्यंत्र हारेगा। परसों फैसला आया, आपने देखा होगा जज ने चार-पांच तारीख के लिए और फैसला नहीं सुनाया। दबाव था, लेकिन उसने दबाव नहीं माना और उन्होंने यह फैसला कर दिया कि ईडी का केस बनता ही नहीं है।

विधायक रफीक खान की पहल पर स्नान गृह का जीर्णोद्धार शुरू

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आदर्श नगर विधायक रफीक खान के निर्देशों पर वार्ड 129, आमागढ़ स्थित वैधपुरी में बरसाना ग्लास हाउस के सामने स्नान गृह के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू कर दिया गया है। विधायक की इस पहल से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर है। जनसेवक महेश कुमार सांवरिया ने बताया कि क्षेत्रवासी इस समस्या से परेशान थे, जिस पर विधायक ने संवेदनशीलता दिखाते हुए काम शुरू करवाया है। महेश कुमार सांवरिया ने विधायक रफीक खान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे हमेशा जनता की सेवा में तत्पर रहते हैं और उम्मीद है कि आगे भी क्षेत्र में ऐसे ही विकास कार्य जारी रहेंगे।

भ्रष्टाचार के आरोप में दोषी पटवारी आनन्द बिहारी ओझा बर्खास्त

- जिला कलक्टर डॉ.जितेन्द्र कुमार सोनी ने जारी किए आदेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भ्रष्टाचार के मामले में दोष सिद्ध होने पर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सख्त कार्रवाई करते हुए तत्कालीन पटवारी आनन्द बिहारी ओझा को राज्य सेवा से बर्खास्त करने के आदेश जारी किए हैं। न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम क्रमांक-01, जयपुर महानगर द्वितीय द्वारा प्रकरण संख्या 07/2017 (एफआईआर संख्या 343/2015) राजस्थान राज्य बनाम आनन्द बिहारी ओझा में दोष सिद्ध होने पर ओझा को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के अंतर्गत 03 वर्ष का साधारण कारावास एवं 10,000 रुपये अर्थदंड तथा धारा 13(1) सहपठित धारा 13(2) के अंतर्गत 04 वर्ष का साधारण कारावास एवं 10,000 रुपये अर्थदंड से दण्डित किया गया। उक्त न्यायिक निर्णय के अनुसरण में तथा राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 1958 के नियम 16 के अंतर्गत समानांतर विभागीय जांच में दोष सिद्ध होने पर जिला प्रशासन द्वारा ओझा को राज्य सेवा से पृथक किया गया है।

मोबाइल के ज़्यादा इस्तेमाल से नुकसान

आजकल मोबाइल फोन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। मोबाइल के प्रयोग से आपसी संवाद, शिक्षा और मनोरंजन के जितने फायदे हैं उससे ज़्यादा नुकसान भी समाज में दिखाई देने लगे हैं। ज़रूरत से ज़्यादा मोबाइल का इस्तेमाल हमारी मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नुकसान करना शुरू कर सकता है। हमारे समाज के युवाओं को मोबाइल की लत लग चुकी है। युवाओं में एवं मोबाइल ज़्यादा इस्तेमाल करने वालों में तनाव का बढ़ना, नींद का कम आना या नींद नहीं आना, शरीर में हार्मोन्स का संतुलन बिगड़ जाना, शरीर में रेडिएशन बढ़ने से कैंसर होना आमतौर से दिखाई देने लगा है। इसके अलावा हमारी युवा पीढ़ी मोबाइल के ज़्यादा इस्तेमाल से अवसाद (Depression) का शिकार होती जा रही है। मोबाइल का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं, रात-रात भर जाग रहे हैं। युवा मोबाइल ज़्यादा देखने से मानसिक और शारीरिक कमज़ोरी का शिकार हो रहे हैं। यही कारण है कि युवाओं का वैवाहिक जीवन खतरे में पड़ने की शिकायत लगातार आने लगी है। मोबाइल का ज़्यादा इस्तेमाल युवाओं को वैवाहिक विफलता की ओर ले जा रहा है। इसलिए इस समस्या से छुटकारा पाना बहुत जरूरी होता है। इस समस्या के समाधान के लिए और अपनी व्यक्तिगत समस्या के लिए बिना झिझक (पूर्ण गोपनीय) हमसे मिला जा सकता है। हमारे यहां कुशल विशेषज्ञों द्वारा मुफ्त परामर्श दिया जाता है। हमारा उद्देश्य: स्वस्थ युवा - स्वस्थ समाज और स्वस्थ भारत है।

-बी. उस्मानी

9721108030/99180200 20

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

बांग्लादेश अब भारत का दोस्त नहीं रहा !

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलन के प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद हालात बिगड़ते जा रहे हैं। शनिवार को हादी के अंतिम संस्कार के बाद हिंसक भीड़ ने संसद में घुसने की कोशिश की। हादी को दफनाने के बाद नारेबाजी करते हुए भीड़ संसद की ओर मार्च करती हुई परिसर में घुसने का प्रयास करने लगी, जिससे ढाका में तनाव फैल गया। शरीफ उस्मान को भारत विरोधी नेता माना जाता था। शरीफ उस्मान की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया जा रहा है। शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी लहर चलने लगी है। कुछ धार्मिक संगठनों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ अभियान चलाना शुरु कर दिया। बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार भारत की घनिष्ठ मित्र मानी जाती थी। बांग्लादेश और भारत के बीच बड़े पैमाने पर व्यापार होता था, जिससे दोनों देशों को आर्थिक फायदा होता था। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल गई है। बांग्लादेश अब पूरी तरह भारत विरोधी रुख अपना चुका है। बांग्लादेश अब भारत विरोधी खेमे में माना जाने लगा है। 1971 में भारत ने ही बांग्लादेश को पाकिस्तान से अलग करवाया था। बांग्लादेश की स्वतंत्रता के बाद पाकिस्तान से भारत की दुश्मनी हो गई थी। बांग्लादेश ने भी भारत को अपने बड़े भाई की तरह माना था। दूसरी तरफ भारत ने बांग्लादेश के विकास में लगातार सहायता की। लेकिन पिछले वर्ष शेख हसीना सरकार बदलने के बाद स्थिति पलट गई है। बांग्लादेश अब पाकिस्तान और चीन के खेमे में चला गया है। बांग्लादेश में पाकिस्तान का दखल प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। बांग्लादेश की भारत से दूरी लगातार बढ़ती जा रही है। चीन भी नहीं चाहता कि बांग्लादेश भारत के साथ दिपक्षीय समझौते करे और गहरे संबंध बनाए। यही कारण है कि चीन बांग्लादेश में अपने सैन्य अड्डों का लगातार विकास कर रहा है। चीन बांग्लादेश से सैन्य गठबंधन बढ़ा रहा है। वर्तमान में चीन बांग्लादेश एवं पाकिस्तान का गठबंधन बन चुका है। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश का गठजोड़ भारत के लिए लाभदायक नहीं हो सकता है। मोदी सरकार की बांग्लादेश को लेकर उल्झन भरी नीति चल रही है या यह भी कह सकते हैं कि बांग्लादेश को लेकर मोदी सरकार की नीति विफल हो गई है, क्योंकि किसी देश का पड़ौसी देशों के साथ अच्छे संबंध होने चाहिए। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में ऐसा नहीं दिखाई दे रहा है। भारत का पाकिस्तान से एक युद्ध हो चुका है और चीन से भी सीमा पर तनाव बना हुआ है। इसी तरह बांग्लादेश भी भारत को आंखें दिखाने लगा है। यदि ऐसा चलता रहा तो एक दिन ऐसा आएगा कि भारत बांग्लादेश के बीच तनाव हो सकता है। हालांकि बांग्लादेश सैन्य ताकत के हिसाब से भारत का मुकाबला नहीं कर सकता है। लेकिन नुकसान जरूर कर सकता है, इसलिए यह कहा जा सकता है कि बांग्लादेश भारत का अब दोस्त नहीं दुश्मन नज़र आ रहा है। बांग्लादेश भारत के हाथ से पूरी तरह निकल चुका है।

यूसुफ़ खान उर्फ दिलीप कुमार --- 'अभिनय सम्राट'

(11 दिसंबर, 1922 - 7 जुलाई, 2021)

"दिलीप कुमार को एक सिनेमाई किंवदंती के रूप में याद किया जाएगा" - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

दिलीप कुमार के जन्म का नाम मोहम्मद यूसुफ़ ख़ान था। उनका जन्म 11 दिसंबर, 1922 को ब्रिटिश भारत के पेशावर (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। उनके पिता मुंबई आ बसे थे, जहाँ उन्होंने हिन्दी फ़िल्मों में काम करना शुरू किया। उन्होंने देविका रानी के कहने पर अपना नाम यूसुफ खान से बदलकर दिलीप कुमार रख लिया।

हिन्दी फ़िल्मों के एक प्रसिद्ध अभिनेता थे, जो भारतीय संसद के उच्च सदन राज्य सभा के सदस्य रह चुके हैं। दिलीप कुमार को भारत तथा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं में गिना जाता है। उन्हें दर्शकों द्वारा 'अभिनय सम्राट' के नाम से पुकारा जाता है, वे आज़ादी से लेकर 60 के दशक तक भारत के सबसे लोकप्रिय अदाकार थे। उनके फ़िल्मों की कामयाबी दर छह दशकों के कार्यकाल में लगभग अस्सी (80) फ़ीसदी से ऊपर रही है। उन्हें दुनिया में पहली बार पर्दे पर 'मेथड एक्टिंग' को इजाद करने का श्रेय भी दिया जाता है। जिसके कारण वे तमाम पीढ़ियों के अदाकार के प्रेरणाश्रोत रहे। दिलीप कुमार को भारत का दूसरा एवं तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण और पद्म भूषण मिला है। उन्हें पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान-ए-इम्तियाज़ भी प्राप्त है।

व्यापार विश्लेषकों के अनुसार उनकी बहुत-सी फ़िल्में इसलिए भी कामयाब हुईं क्योंकि जनता सिर्फ़ उनकी अदाकारी देखने जाया करती थी। इस प्रकार के वाक्या और किसी भी अदाकार के साथ नही हुए हैं। उन्होंने बहुत-सी बड़े पैमाने पर कामयाब फ़िल्मों में अदाकारी की है, जैसे मुग़ल-ए-आज़म (1960), गंगा जमना (1961), इत्यादि। दूसरी पारी में वे वृद्ध किरदार की भूमिका में भी प्रमुख किरदार निभा रहे थे। ऐसा वाक्या भी उनके अतिरिक्त किसी अदाकार के साथ नहीं हुआ है। 1998 में आई फिल्म "किला" उनके करियर की आखिरी फ़िल्म थी। उन्हें वर्ष 1994 में भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार "दादा साहेब फाल्के" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अपने अभिनय और भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में सुधार लाने के लिए उन्हें पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार निशान-ए-इम्तियाज़ दिया गया जिसे प्राप्त करने वाले वे इकलौते भारतीय हैं।

उनकी पहली फ़िल्म 'ज्वार भाटा' थी, जो 1944 में आई। 1949 में बनी फ़िल्म "अंदाज़" की सफलता ने उन्हें प्रसिद्धी दिलाई। इस फ़िल्म में उन्होंने राज कपूर और नर्गिस के साथ काम किया। जो रिलीज़ के समय, तब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फ़िल्म थी। दीदार (1951) और देवदास (1955) जैसी फ़िल्मों में दुखद भूमिकाओं के लिए मशहूर होने के कारण उन्हें "ट्रेजिडी किंग" कहा गया। उन्होंने 1961 में गंगा जमुना फ़िल्म का निर्माण भी किया। 1970, 1980 और 1990 के दशक में उन्होंने कम फ़िल्मों में काम किया। इस समय की उनकी प्रमुख फिल्में थीं: विधाता (1982), दुनिया (1984), कर्मा (1986), इज्जतदार (1990) और सौदागर (1991)। 1998 में बनी फ़िल्म किला उनकी आखरी फ़िल्म थी। उन्होंने रमेश सिप्पी की फ़िल्म शक्ति में अमिताभ बच्चन के साथ काम किया। इस फ़िल्म के लिए उन्हें फ़िल्म फ़ेयर पुरस्कार भी मिला। वे आज भी प्रमुख अभिनेताओं जैसे शाहरूख खा़न के प्रेरणास्रोत्र हैं।

फिल्म जुगनू (1947) में उन्होंने नूरजहाँ के साथ अभिनय किया, जो बॉक्स ऑफिस पर उनकी पहली बड़ी हिट फ़िल्म बन गई। उनकी अगली प्रमुख हिट 1948 की फ़िल्में शहीद और मेला थीं। जुगनू और शहीद दोनों अपने-अपने रिलीज के वर्ष की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्में थीं। दिलीप कुमार ने 1950 के दशक में जोगन (1950), बाबुल (1950), दीदार (1951), तराना (1951), दाग (1952), अमर (1954), उड़न खटोला (1955), इंसानियत (1955), देवदास (1955), नया दौर (1957), यहुदी (1958), मधुमती (1958) और पैगाम (1959) जैसी कई बॉक्स ऑफिस हिट फिल्मों में प्रमुख भूमिकाएँ निभाईं। कई दुखद भूमिकाएँ निभाने के कारण दिलीप कुमार को कुछ समय के लिए अवसाद का सामना भी करना पड़ा और अपने मनोचिकित्सक की सलाह पर उन्होंने हल्की-फुल्की भूमिकाएँ भी निभाईं। मेहबूब खान के बड़े बजट की फिल्म "आन" टैकनीकलर में शूट की जाने वाली उनकी पहली फिल्म थी। जिसे लंदन में भव्य प्रीमियर के साथ पूरे यूरोप में व्यापक रूप से प्रदर्शित किया गया था। आन उस समय घरेलू स्तर पर और विदेशों में सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म थी। आज़ाद (1955) में एक चोर के रूप में और कोहिनूर (1960) में एक शाही राजकुमार के रूप में उन्हें हल्की भूमिकाओं के साथ और भी सफलता मिली। इस समय तक, उन्होंने अपने पात्रों द्वारा बोली जाने वाली पंक्तियों को असंख्य भाव और अर्थ देते हुए अपने संवादों को गुनगुनाने की अपनी विशिष्ट शैली विकसित कर ली थी। वह फ़िल्म फ़ेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार (दाग के लिए) जीतने वाले पहले अभिनेता थे और उन्होंने इसे और सात बार जीता।

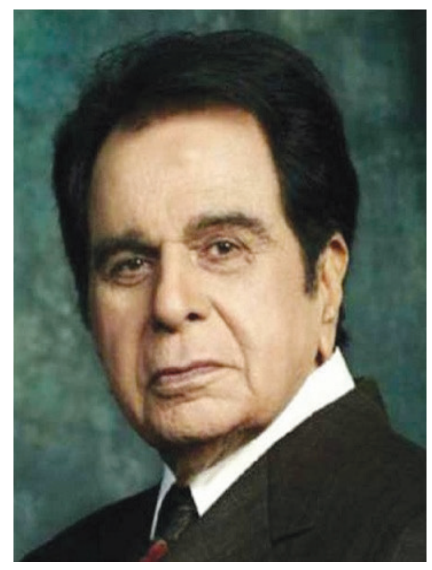

उन्होंने वैजयंतीमाला, मधुबाला, नर्गिस, निम्मी, मीना कुमारी और कामिनी कौशल और वहीदा रहमान सहित कई शीर्ष अभिनेत्रियों के साथ लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन जोड़ी बनाई। 1950 के दशक में उनकी 9 फिल्मों को दशक की शीर्ष 30 सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों में स्थान दिया गया था।

1950 के दशक में, दिलीप कुमार प्रति फिल्म 1 लाख (2020 में 90 लाख या US$120,000 के बराबर) चार्ज करने वाले पहले भारतीय अभिनेता बने।

उन्होंने 1960 में के. आसिफ की बड़े बजट की ऐतिहासिक फिल्म मुगल-ए-आज़म में शहज़ादा सलीम की भूमिका निभाई, जो 15 वर्षों तक भारतीय फिल्म इतिहास में सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म थी, यह फ़िल्म पहले श्वेत और श्याम थी और 2004 में रंगीन बनाई गई। यदि मुद्रा स्फीति के लिए समायोजित किया जाता है, तो मुगल-ए-आज़म 2010 के दशक की शुरुआत में सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म थी, जो 2011 में 1000 करोड़ से अधिक के बराबर थी।

दिलीप कुमार ने 1961 में गंगा जमुना में अपने भाई नासिर खान के साथ शीर्षक भूमिकाएँ निभाते हुए लिखा, निर्मित और अभिनय किया। दिलीप कुमार ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी सिटीजन्स के तहत फिल्म का निर्माण किया और यह उनके द्वारा निर्मित एकमात्र फिल्म थी। फिल्म को हिंदी में दूसरी सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, बोस्टन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पॉल रेवरे सिल्वर बाउल, प्राग में चेकोस्लोवाक कला अकादमी से विशेष सम्मान डिप्लोमा और कार्लोवी वेरी इंटरनेशनल फिल्म महोत्सव में विशेष पुरस्कार मिला।

1970 के दशक में दिलीप कुमार के करियर में गिरावट आई और 1970 की फिल्म गोपी उनकी एकमात्र बॉक्स ऑफिस सफलता थी। इस फिल्म में उनकी पत्नी सायरा बानो के साथ देखा गया।

उन्होंने 1976 में बैराग में एक पिता और जुड़वां बेटों के रूप में ट्रिपल भूमिकाएँ निभाईं, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रही। उन्होंने 1970 से 1980 तक अभिनेता राजेश खन्ना और संजीव कुमार के लिए प्रमुख भूमिकाओं में अभिनय करने के लिए कई फिल्म प्रस्ताव खो दिए। उन्होंने 1976 से 1981 तक फिल्मों से पांच साल का अंतराल लिया।

उन्होंने 1981 में एक चरित्र अभिनेता के रूप में परिपक्व बुजुर्ग भूमिकाएँ निभाते हुए फिल्मों में वापसी की। उनकी वापसी वाली फिल्म स्टार-जड़ित ऐतिहासिक महाकाव्य क्रांति थी, जो साल की सबसे बड़ी हिट थी। मनोज कुमार, शशि कपूर, हेमा मालिनी और शत्रुघ्न सिन्हा सहित कलाकारों की टीम के साथ दिखाई देने पर, उन्होंने ब्रिटिश शासन से भारत की स्वतंत्रता के लिए एक क्रांतिकारी लड़ाई के रूप में शीर्षक भूमिका निभाई। क्रांति के बाद के चरण में, उन्होंने विधाता (1982), शक्ति (1982), दुनिया (1984), आदि जैसी फिल्मों की एक श्रृंखला में "एंग्री ओल्ड मैन" की भूमिका निभाने के लिए खुद को फिर से मजबूत किया। उन्होंने 1982 में विधाता में पहली बार निर्देशक सुभाष घई के साथ काम किया, जिसमें उन्होंने संजय दत्त, संजीव कुमार और शम्मी कपूर के साथ अभिनय किया। विधाता साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। उसी वर्ष बाद में उन्होंने रमेश सिप्पी की शक्ति में अमिताभ बच्चन के साथ अभिनय किया, जो बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई करने वाली थी। लेकिन उन्हें समीक्षकों की प्रशंसा मिली और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए उनका आठवां और अंतिम फिल्म फेयर पुरस्कार मिला। उन्होंने 1984 में अनिल कपूर के साथ यश चोपड़ा की मशाल में अभिनय किया, जो बॉक्स ऑफिस पर विफल रही, लेकिन उनके प्रदर्शन को समीक्षकों द्वारा सराहा गया। वह दुनिया (1984) में ऋषि कपूर और धर्म अधिकारी (1986) में जितेंद्र के साथ भी दिखाई दिए। सुभाष घई की एक्शन फिल्म कर्मा अभिनेत्री नूतन के साथ पहली बार देखा गया। उन्होंने 1989 की एक्शन फिल्म कानून अपना अपना में फिर से नूतन के साथ अभिनय किया, जिसमें संजय दत्त भी नज़र आये।

दिलीप कुमार ने 1991 में सौदागर में साथी दिग्गज अभिनेता राज कुमार के साथ अभिनय किया, निर्देशक सुभाष घई के साथ उनकी तीसरी और आखिरी फिल्म थी। सन 1959 में आई पैगाम फ़िल्म के बाद राज कुमार के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म थी।

दिलीप कुमार 2000 से 2006 तक भारत की संसद के ऊपरी सदन राज्य सभा के सदस्य थे। उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित किया गया था।

दिलीप कुमार ने अभिनेत्री सायरा बानो से 1966 में विवाह किया। सायरा बचपन से ही अपने पसंदीदा अभिनेता दिलीप कुमार से विवाह करना चाहती थीं। विवाह के समय दिलीप कुमार 44 वर्ष और सायरा बानो 22 वर्ष की थीं। 1980 में उन्हें सम्मानित करने के लिए मुंबई का शेरिफ घोषित किया गया। 1991 में भारत सरकार ने उन्हें तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान "पद्म भूषण" और 2015 में दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान "पद्म विभूषण" से सम्मानित किया। दिलीप कुमार का 7 जुलाई 2021 को 98 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह टेस्टिकुलर कैंसर और फुफ्फुस बहाव के अलावा कई उम्र से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे। अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि "दिलीप कुमार को एक सिनेमाई किंवदंती के रूप में याद किया जाएगा"।

महिलाओं को आत्म विश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए

हो सकता लोगों का नज़रिया भी वही हो कि परेशानी का हाल निकालने के बजाए राह बदलना। मगर मैंने कभी राह नहीं बदली हमेशा चैलेंज का मुक़ाबला किया। और परेशानी को चैलेंज समझ कर दूर करने की कोशिश की, जिसमें मैं हमेशा कामयाब हुई। और ये सलाह मैं हर औरत को दूंगी हर लड़की को दूंगी कि भागना, छोड़ना, राह बदलना मसले का हल नहीं है। बल्कि उस ग़लती को उस गुनाह को सुधारने का चैलेंज लो. तभी महिलाओं को लेकर गुंडों, मवालियों और औरत को टाइम पास समझने वालों को सबक़ सिखाया जाए। हिंदुस्तान में आजकल ये आम होता जा रहा है औरत को बहुत सस्ता बना दिया है समाज ने इस मीडिया ने और खुद औरत ने। हो सकता है के कुछ लोग मेरी बात से सहमत ना हो। लेकिन यही कड़वा सच है। हिंदुस्तान की काफ़ी हद तक महिलाएं बेइज़्ज़ती, हेरेसमेंट का शिकार होतीं हैं डेली। ये सिर्फ ऑफिस में ही नहीं हो रहा, ये घरों में भी, पड़ोसियों में भी और रिश्तेदारों में भी हो रहा है। लड़कियों को घर में ही मर्द ज़ात और समाज को ऐसा हव्वा बनाकर पेश किया जाता है के लड़कियां मुक़ाबला तो दूर आवाज़ उठाना तो छोड़िये घर वालों को नहीं बता पाती। मैंने अक्सर इस टॉपिक पर बात की है तो यही कहा है कि लड़कियों को डरपोक ना बनाएँ, वो डरपोक बनकर आपको आपके नाम को बदनामी में ना बदल दें ख़ामोश रहकर। जहाँ ख़ामोशी बेहतरीन अमल है वहां हम उनको आवाज़ उठाना सिखाते हैं और जहाँ आवाज़ उठाना ज़रूरी है वहां हम उनको समाज का डर बदनामी का डर दिखाकर कमज़ोर बनाते हैं। हम समाज से नहीं समाज हमसे है हम हैं तो ये समाज बना है। ये बताएँ लड़कियों को कि कही गलत हो तो खामोश मत बैठो आवाज़ उठाओ अपने लिए भी और तुम्हारे बाद आने वाली और लड़कियों के लिए भी। नौकरी करना अपने लिए जुर्म मत बनाओ बल्कि मिसाल बनाओ। मेरी नज़र में डॉ. नुसरत का फैसला नौकरी छोड़ने का एक कमज़ोर और हालत से सामना ना करके भागने वाला फैसला है। डॉक्टर बनना और डॉक्टर पेरेंट्स का औलाद को बनाना आसान काम नहीं है। जिन्होंने बनाया है अपने बच्चों को डॉक्टर और जो बच्चे बने हैं डॉक्टर वो बेहतर समझ सकते हैं। दिन रात की मेहनत और ढेर सारा ज़िन्दगी भर का कमाया पैसा और वक़्त लगता है। जिस वक़्त एक आर्ट्स और कॉमर्स या एक आम एजुकेशन लेने वाला स्टूडेंट अपनी ज़िन्दगी के मज़े ले रहा होता है उस वक़्त मेडिकल स्टूडेंट अपने सारे इवेंट्स को छोड़ कर पढ़ाई पर फोकस करके मोटी मोटी किताबों में झुका हुआ नज़र आता है। दूसरा नज़रिया आज की सरकार की हुकूमत में वैसे तो सभी बेरोज़गारी से परेशान हैं मगर मुसलमानो को वैसे भी रोज़गार में ख़ास जगह नहीं है। किसी ना किसी बहाने नाम कट किये जा रहे हैं। जो नौकरियां पा रहे हैं समझ लें टोपर मुस्लिम बच्चे हैं वो जिनको किसी सूरत में कट नहीं कर सकी कमिटी। लोगो की टिप्पणी ने जगाया है डॉ. नुसरत को, उनके अंदर के आत्म विश्वास ने, उनकी अंदर की औरत ने उनको कमज़ोर कर दिया था उस दिन, लेकिन नौकरी छोड़ने से मसले का हल नहीं है डॉ नुसरत, अपनी इज़्ज़त कराने से है। उसी समय अगर आवाज़ उठाती अपने लिए जो हाथ चेहरे तक आया तभी क्यों नहीं रोका आपने, अब आप कह रही हैं के नौकरी छोड़ दूंगी, नौकरी उनकी जागीर नहीं थी। नौकरी आपकी योग्यता, शिक्षा ने दिलाई है, नौकरी छोड़ कर नीतीश कुमार जैसे नेताओं का और सरकार का कोई नुक्सान नहीं होगा, मुसलमानों को वैसे भी ये नौकरी नहीं दे रहे। आप उसी वक़्त एक्शन लेतीं तो आज मिसाल बनती उन लाखों लड़कियों की जो अपना भविष्य नौकरी में शुरू करने वाली होंगी और उनका हौंसला बनती जो शायद इन जैसों से हैरेस हो रही होंगी, नौकरी छोड़ कर डरपोक साबित हो रही हैं। छोड़िए आप अभी अपनी सीट, बैठा होगा कोई लाइन में आप ख़ाली करेंगी वो पा लेगा। ग़लत सिस्टम से भागने में बहादुरी नहीं गलत सिस्टम का सामना करने में बहादुरी है। कर्नाटक की हिजाब लड़की से सीखिए ना झुकी ना डरी ना हिजाब खींचने दिया। सिर्फ 10वीं कक्षा की छात्रा। हमें ख़ुद अब अपने लिए लड़ना है भागना नहीं है भगाना है। नौकरी छोड़ना यानी ग़लत सिस्टम से डर कर भागना। मीडिया, कुछ मुसलमान और भी लोग दे रहे होंगे आपको शाबाशी मेरी नज़र में ये आपका डरा हुआ फैसला है। बहादुरी तब थी जब आप उसी समय रोकती उन उठे हुए हाथों को, नियुक्ति पत्र उसके मुंह पर मार कर आती। मैं फिर कहूँगी ग़लत सिस्टम से लड़कर मुक़ाबला करके आप कुछ अच्छा कर सकते हैं नौकरियां छोड़ने से सिस्टम नहीं सुधरेगा। वैसे भी आप इस नौकरी के लिए कितनी मेहनत की हो कि मुसलमान होकर भी ये आपको कट नहीं कर पाये तो नुकसान किसका हुआ। आज सभी हर धर्म की महिला से मेरी सलाह है कहीं भी आपका सीनियर सहपाठी आपके साथ ग़लत व्यवहार करे जगह मत बदलो उसको सबक़ सिखाओ और सिसटम को चुनौती दो, ताकि उस विभाग मे हर आने वाली महिला सुरक्षित हो।

मैंमूना नरगिस
सोशल एक्टिविस्ट और आर्ट कंज़र्वेंटर जयपुर

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस: समानता और समावेशिता का प्रतीक

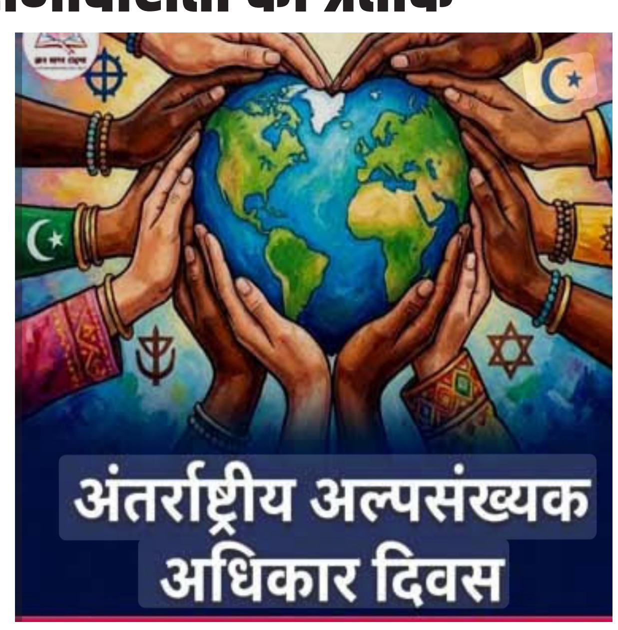

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस हर वर्ष 18 दिसंबर को मनाया जाता है, जो अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा और उनके सशक्तिकरण पर केंद्रित है। यह दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1992 में अपनाई गई अल्पसंख्यक अधिकार घोषणा की याद दिलाता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में यह दिवस सामाजिक न्याय और भाईचारे को मजबूत करने का माध्यम बनता है।

इतिहास और पृष्ठभूमि-
अल्पसंख्यक अधिकार दिवस की शुरुआत 18 दिसंबर 1992 को हुई, जब संयुक्त राष्ट्र ने अल्पसंख्यकों के सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषाई अधिकारों की घोषणा अपनाई। इसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों को उनकी पहचान बनाए रखने का अधिकार देना था। भारत में यह दिन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के गठन से जुड़ा, जो 1992 के अधिनियम के तहत कार्य करता है। इस दिवस ने वैश्विक स्तर पर अल्पसंख्यकों के प्रति भेदभाव रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संयुक्त राष्ट्र की यह पहल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मानवाधिकारों की मजबूती का हिस्सा थी। भारत में संविधान के अनुच्छेद 29 और 30 अल्पसंख्यकों को अपनी संस्कृति और शिक्षा संस्थानों पर अधिकार देते हैं।

भारत में अल्पसंख्यक अधिकार-
भारतीय संविधान अल्पसंख्यकों को विशेष संरक्षण प्रदान करता है, जिसमें मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी शामिल हैं। अनुच्छेद 30 के तहत वे अपनी संस्थाएं चला सकते हैं। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और महिलाओं के उत्थान पर योजनाएं चलाता है।शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 और बाद की योजनाएं जैसे मदरसा आधुनिकीकरण अल्पसंख्यकों को समर्थन देती हैं। आर्थिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों के लिए गहन क्षेत्रीय कार्यक्रम उपलब्ध हैं। ये कदम समान अवसर सुनिश्चित करते हैं। नेशनल कमीशन फॉर माइनॉरिटीज भेदभाव की शिकायतों की जांच करता है और सरकार को सुझाव देता है।

महत्व और चुनौतियां-
यह दिवस समानता, सामाजिक न्याय और समावेशिता को बढ़ावा देता है। अल्पसंख्यकों की प्रगति समाज की समग्र उन्नति का सूचक है। जागरूकता अभियान भाईचारा मजबूत करते हैं। हालांकि, चुनौतियां बनी हुई हैं जैसे शिक्षा और रोजगार में असमानता। सामाजिक पूर्वाग्रह और हिंसा की घटनाएं चिंता का विषय हैं। इनसे निपटने के लिए कानूनी और सामुदायिक प्रयास जरूरी हैं। सरकार की योजनाएं जैसे स्कॉलरशिप और वक्फ बोर्ड सुधार इन मुद्दों पर काम कर रही हैं। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं में प्रधानमंत्री का जन विकास कार्यक्रम शामिल है, जो बुनियादी ढांचे पर फोकस करता है। सिख, ईसाई आदि के लिए विशेष स्कॉलरशिप उपलब्ध हैं। शिक्षा उजाला योजना लड़कियों की पढ़ाई को बढ़ावा देती है। कौशल्य विकास के लिए सीखो और कमाओ कार्यक्रम चलते हैं। ये अल्पसंख्यकों को मुख्यधारा से जोड़ते हैं। नेशनल मॉनिटरिंग कमिटी मदरसों का आधुनिकीकरण करती है। वक्फ संपत्तियों का बेहतर उपयोग आर्थिक मजबूती देता है।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य-
विश्व स्तर पर यह दिवस संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों से जुड़ा है। यूरोप और अमेरिका में अल्पसंख्यक अधिकार कानून मजबूत हैं। भारत की विविधता वैश्विक मॉडल है। मानवाधिकार दिवस से प्रेरित यह पहल शरणार्थी और प्रवासी अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देती है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। निष्कर्ष और भविष्य दृष्टि अल्पसंख्यक अधिकार दिवस हमें एकजुट समाज की याद दिलाता है। सभी वर्गों को समान सम्मान मिले, यही प्रगति का आधार है। युवाओं को जागरूक बनाकर हम बेहतर भविष्य रच सकते हैं।

मिर्ज़ा ग़ालिब

(27 दिसंबर, 1797-15 फ़रवरी, 1869)

"हैं और भी दुनिया में सुखनवर बहुत अच्छे कहते हैं कि 'ग़ालिब' का है अंदाज़-ए-बयाँ और"

मिर्ज़ा असदुल्लाह बेग ख़ान, जो अपने तख़ल्लुस ग़ालिब से जाने जाते हैं, उर्दू एवं फ़ारसी भाषा के एक महान शायर थे। इनको उर्दू भाषा का सर्वकालिक महान शायर माना जाता है और फ़ारसी कविता के प्रवाह को हिन्दुस्तानी ज़बान में लोकप्रिय करवाने का श्रेय भी इनको दिया जाता है। यद्दपि इससे पहले के वर्षों में मीर तक़ी "मीर" भी इसी वजह से जाने जाते हैं। ग़ालिब के लिखे पत्र, जो उस समय प्रकाशित नहीं हुए थे, को भी उर्दू लेखन का महत्वपूर्ण दस्तावेज़ माना जाता है। ग़ालिब को भारत और पाकिस्तान में एक महत्वपूर्ण कवि के रूप में जाना जाता है। उन्हें दबीर-उल-मुल्क और नज़्म-उद-दौला का ख़िताब मिला।

ग़ालिब (और असद) तख़ल्लुस से लिखने वाले मिर्ज़ा मुग़ल काल के आख़िरी शासक बहादुर शाह ज़फ़र के दरबारी कवि भी रहे थे। आगरा, दिल्ली और कलकत्ता में अपनी ज़िन्दगी गुजारने वाले ग़ालिब को मुख्यतः उनकी उर्दू ग़ज़लों को लिए याद किया जाता है। उन्होंने अपने बारे में स्वयं लिखा था कि दुनिया में यूं तो बहुत से अच्छे शायर हैं, लेकिन उनकी शैली सबसे निराली है:

"हैं और भी दुनिया में सुख़नवर बहुत अच्छे
कहते हैं कि 'ग़ालिब' का है अंदाज़-ए-बयाँ और"

ग़ालिब का जन्म आगरा में 27 दिसंबर,1797 को एक सैनिक पृष्ठभूमि वाले परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने पिता और चाचा को बचपन में ही खो दिया था, ग़ालिब का जीवनयापन मूलतः अपने चाचा के मरणोपरांत मिलने वाली पेंशन से होता था (वो ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी में सैन्य अधिकारी थे)। ग़ालिब की पृष्ठभूमि एक तुर्क परिवार से थी और इनके दादा मध्य एशिया के समरक़न्द से सन् 1750 के आस-पास भारत आए थे। उनके दादा मिर्ज़ा क़ोबान बेग ख़ान अहमद शाह के शासन काल में समरकंद से भारत आये। उन्होंने दिल्ली, लाहौर व जयपुर में काम किया और अन्ततः आगरा में बस गये। उनके दो पुत्र व तीन पुत्रियां थीं। मिर्ज़ा अब्दुल्ला बेग ख़ान व मिर्ज़ा नसरुल्ला बेग ख़ान उनके दो पुत्र थे।

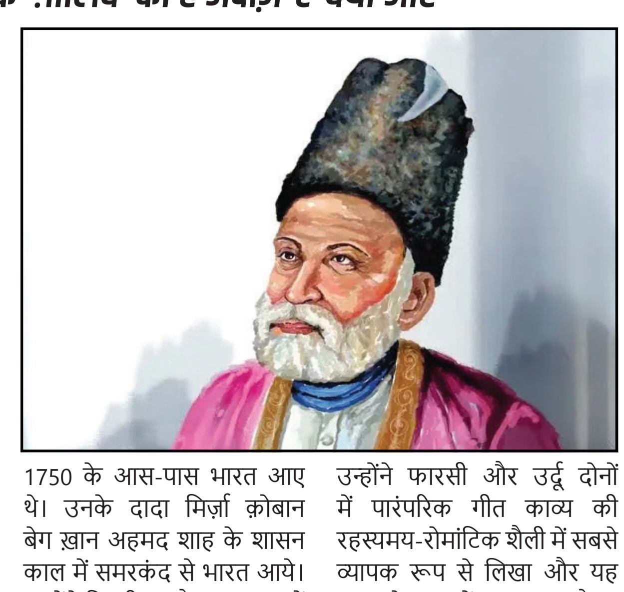

मिर्ज़ा अब्दुल्ला बेग (ग़ालिब के पिता) ने इज़्ज़त-उत-निसा बेगम से निकाह किया और अपने ससुर के घर में रहने लगे। उन्होंने पहले लखनऊ के नवाब और बाद में हैदराबाद के निज़ाम के यहाँ काम किया। 1802 में अलवर में एक युद्ध में उनकी मृत्यु के समय ग़ालिब मात्र 5 वर्ष के थे।

जब ग़ालिब छोटे थे तो एक नव-मुस्लिम-वर्तित ईरान से दिल्ली आए थे और उनके सान्निध्य में रहकर ग़ालिब ने फ़ारसी सीखी।

ग़ालिब की प्रारम्भिक शिक्षा के बारे में स्पष्टतः कुछ कहा नहीं जा सकता। लेकिन ग़ालिब के अनुसार उन्होंने 11 वर्ष की अवस्था से ही उर्दू एवं फ़ारसी में गद्य तथा पद्य लिखना आरम्भ कर दिया था। उन्होंने अधिकतर फारसी और उर्दू में पारम्परिक भक्ति और सौन्दर्य रस पर रचनायें लिखी जो गज़ल में लिखी हुई हैं। उन्होंने फारसी और उर्दू दोनों में पारंपरिक गीत काव्य की रहस्यमय-रोमांटिक शैली में सबसे व्यापक रूप से लिखा और यह गज़ल के रूप में जाना जाता है।

13 वर्ष की आयु में उनका विवाह नवाब ईलाही बख़्श की बेटी उमराव बेगम से हो गया था। विवाह के बाद वे दिल्ली आ गये थे जहाँ उनकी तमाम उम्र बीती। अपने पेंशन के सिलसिले में उन्हें कोलकाता कि लम्बी यात्रा भी करनी पड़ी थी, जिसका ज़िक्र उनकी ग़ज़लों में जगह–जगह पर मिलता है।

1850 में शहंशाह बहादुर शाह ज़फ़र द्वितीय ने मिर्ज़ा ग़ालिब को दबीर-उल-मुल्क और नज़्म-उद-दौला के ख़िताब से नवाज़ा। बाद में उन्हें मिर्ज़ा नोशा का ख़िताब भी मिला। वे शहंशाह के दरबार में एक महत्वपूर्ण दरबारी थे। उन्हें बहादुर शाह द्वितीय के पुत्र मिर्ज़ा फ़ख़रु का शिक्षक भी नियुक्त किया गया। वे एक समय में मुग़ल दरबार के शाही इतिहासविद भी थे।

मिर्ज़ा ग़ालिब 15 फ़रवरी,1869 को इस दुनिया से हमेशा के लिए रुखसत ज़रूर हो गए, लेकिन उनका नाम आज भी लोगों के दिलों में ज़िंदा है।

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 4009 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने 4 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 20 दिसंबर से शुरू होगी। आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट mpwz.co.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 21 जनवरी तय की गई है। रिजल्ट 15 मई 2026 को जारी किया गया है।

आवेदन शुरू :
20 दिसम्बर से 21 जनवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
बीटेक, बीई, डिप्लोमा, आईटीआई की डिग्री, 12वीं पास, जीएनएम, एमएससी, एमटेक, एमसीए, पीजी डिप्लोमा या समकक्ष डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

फीस :
जनरल, अन्य राज्य के उम्मीदवार : 1200 रुपए
ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एससी, एसटी, पीएच : 600 रुपए

सैलरी :
18,000 - 42,700 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

एग्जाम पैटर्न :
जारी नहीं

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट mpwz.co.in पर जाएं।
रिक्रूटमेंट सेक्शन पर क्लिक करें।
ऑनलाइन अप्लाई के लिंक पर क्लिक करें।
मांगे गए डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

आवश्यकता

वोडाफोन & एयरटेल कंपनी को कैनोपी पर बैठने के लिए महिला व पुरुष स्टाफ की जरूरत है, जो कस्टमर को सिम वगैरा दे / बैच सके !
सैलरी 12K से ₹15,000 इंसेंटिव ₹9000 अलग से हैं
जॉब लोकेशन : चार दरवाजा, रामगंज, घाट गेट, राजा पार्क, आदर्श नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, आगरा रोड
कॉल करें @ HR इरफान अख्तर 9828 733222

घर पर छोटे से बच्चे को संभालने के लिए महिला स्टाफ की जरूरत है, जो बच्चे की अच्छे से देखभाल कर सके!
सिरसी रोड : नीता मैंम
खातीपुरा : पूजा मैंम
सिविल लाइन : खान साहिबा
सैलरी : 10 से 13 से ₹14,000 रुपए तक + रहना + खाना फ्री है
HR Irfan Akhtar 9828733222
Limra Foundation& E-commerce Institute
We Do hire all kinds of Staffs

फेज़ान साहब के जयपुरी रजाई को चेक और पैक करने के लिए हेल्पर स्टाफ की जरूरत है
काम ट्रेनिंग में सिखा दिया जाएगा, ट्रेनिंग की सैलरी भी मिलेगी!
ट्रेनिंग में पगार : 6 हजार
अगले महीने से पगार 10 हजार
जॉब लोकेशन ! गंगापोल -चार दरवाजा जयपुर
HR @ Iran Akhtar 98287 33222

खान साहब के यहां पर राजा पार्क, आदर्श नगर और रामगंज, चौपड़ की साइड में न्यूज़ पेपर बांटने के लिए स्टाफ की जरूरत है
सैलरी ₹10,000 + गाड़ी का पेट्रोल
HR 9828733222

चाँदपोल / M I रोड़ पे किन्ही खान साहब की होटेल लिए स्टाफ की जरूरत है! 1) एक कुक स्टाफ की जरूरत है ₹15K से 25 हजार तक! जिन्हें खाना व सब्जियां अच्छी बनाना आता हों! 2) मैनेजर स्टाफ की जरूरत है 15-16K कोई भी 12th / ग्रेजुएट स्टाफ अप्लाई कर सकता है! 3) रूम बॉय की जरूरत है 10K! प्लेस : चाँदपोल / M I रोड़ जयपुर HR इरफान अख्तर 9828733222 लिमरा फाउंडेशन लिमरा डिजिटल इंस्टिट्यूट आदर्श नगर जयपुर

लेडिज एथेनिक गारमेंट शोरूम के लिए महिला स्टाफ की जरूरत है जो लेडिज कस्टमर का सपोर्ट कर सके!
सैलरी : 10K से ₹14,000 तक
जॉब लोकेशन : सोडाला, सिविल लाइन और सांगानेरी गेट जयपुर
HR Irfan Akhtar @ 9828733222
Limra Foundation
LIMRA Institute of Digital Technology & E-commerce

वैशाली नगर में गारमेंट शोरूम के लिए गर्ल्स / बॉय स्टाफ की जरूरत है!
अनुभवी स्टाफ को प्राथमिकता दीजाएगी !
जॉब लोकेशन : वैशाली नगर जयपुर
सैलरी 14K से ₹20,000 तक
HR Irfan Akhtar #
Hiteshi Sharma
9828733222
LIMRA Foundation

One more Back Office staff required for A Showroom
डाटा एंट्री ऑपरेटर
लड़का/लड़की दोनों ही अप्लाई कर सकते हैं
(इस जॉब में कोई भी टारगेट्स नहीं है)
Location : Zohri Bazaar/Sodala/Civil Line/Cscheme location
Work : Basic Computer Basic Data Entry
Fresher Also can apply
Salary 10k to 12K
HR 98287 - 33222

डिजिटल मार्केटिंग स्टाफ की जरूरत है, जिनको 1 से 5 साल तक का अनुभव हो !
Salary. : 20K - 35K लोकेशन : सोडाला जयपुर
फैशन मर्चेंडाइजर स्टाफ की जरूरत है,
सैलरी : 40 से ₹50,000 तक जॉब लोकेशन: सोडाला जयपुर
HR Irfan@ 9828733222
LIMRA FOUNDATION

ड्राइवर स्टाफ की जरूरत है! जॉब लोकेशन : चित्रकूट वैशाली नगर जयपुर
सैलरी : 14 से 17,000 रुपए तक
कॉल करें : इरफान भाई - HR मैनेजर 98287 33222

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

IIT भुवनेश्वर में नॉन टीचिंग के 101 पदों पर भर्ती

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर (IIT Bhubaneswar) ने नॉन टीचिंग के पदों पर वैकेंसी निकाली है। इस भर्ती अभियान के तहत संस्थान में तकनीकी और प्रशासनिक श्रेणी के 101 पदों पर भर्ती की जाएगी।

आवेदन शुरू :
09 दिसंबर से 08 जनवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
लाइब्रेरियन :
लाइब्रेरी साइंस या इंफॉर्मेशन साइंस में मास्टर डिग्री
10 साल का अनुभव
मेडिकल ऑफिसर :
एमबीबीएस, इंटर्नशिप
3 साल का अनुभव
पीजी डिप्लोमा, एमडी, डीएनबी
स्टूडेंट काउंसिलर :
साइकोलॉजी,सोशियोलॉजी में मास्टर डिग्री
5 साल का अनुभव
एमफिल, पीएचडी
सॉफ्टवेयर इंजीनियर :
बीटेक, एमसीए, कंप्यूटर साइंस या आईटी में एमएससी
3 साल का अनुभव
प्रोग्रामिंग, ईआरपी नॉलेज
असिस्टेंट टेक्निकल ऑफिस :
एमटेक, एमएससी, बीटेक, एमसीए के साथ 3 - 5 साल का अनुभव
आईआईटी, एनआईटी लैब अनुभव
असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर :
सिविल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री
6 साल का अनुभव
जूनियर टेक्निकल सुपरिटेंडेंट
एमएससी, बीटेक, डिप्लोमा
2-4 साल का अनुभव

एज लिमिट :
न्यूनतम : 32 साल
अधिकतम : 55 साल

सैलरी :
18,000 - 2,18,200 रुपए प्रतिमाह

फीस :
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी, एसटी, दिव्यांग, पूर्व सैनिक, ट्रांसजेंडर, महिला, IIT भुवनेश्वर के नियमित कर्मचारी : नि:शुल्क

ऐसे करें आवेदन :
IIT भुवनेश्वर के ऑफिशियल करियर पोर्टल पर जाएं।
Register/Login विकल्प पर क्लिक करके नया रजिस्ट्रेशन करके लॉगिन करें।
ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरें और मांगे गए डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस ऑनलाइन जमा करें।
सभी जानकारी जांचने के बाद फॉर्म सब्मिट करें।

UPSC ने 102 पदों पर भर्ती के लिए मांगे आवेदन

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कंट्रोलर जनरल ऑफ पेटेंट्स, डिजाइंस एंड ट्रेड मार्क्स (CGPDTM) में ट्रेड मार्क्स और जियोग्राफिकल इंडिकेशंस (GI) एग्जामिनर पदों के लिए भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया आज यानी 13 दिसंबर से शुरू हो रही है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsconline.nic.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
13 दिसंबर से 01 जनवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित विषय में लॉ की डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 35 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू
पर्सनैलिटी टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

सैलरी :
1,00,000 - 1,25,000 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट upsconline.nic.in पर जाएं।
होम पेज पर दिए गए वन टाइम रजिस्ट्रेशन टैब पर क्लिक करें।
मोबाइल नंबर, मेल आईडी आदि दर्ज कर रजिस्ट्रेशन करें।
मांगे गए डाक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट कर दें।

SSC जीडी कॉन्स्टेबल के 25,487 पदों पर भर्ती

कर्मचारी चयन आयोग (SSC) में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) और SSF में कॉन्स्टेबल जीडी और असम राइफल्स परीक्षा, 2026 में राइफलमैन (GD) के लिए रजिस्ट्रेशन प्रोसेस 1 दिसंबर 2025 से जारी है। SSC की ओर से अब इस भर्ती के लिए फोर्स वाइज डिटेल जारी कर दी गई है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाकर इसे चेक कर सकते हैं। इन पदों में से 23,467 पद पुरुष उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। वहीं महिलाओं के लिए 2,020 पद आरक्षित हैं।

आवेदन शुरू :
01 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास

फीस :
जनरल : 100 रुपए
महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, एक्स सर्विसमैन : नि:शुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर आधारित टेस्ट
शारीरिक परीक्षण
मेडिकल टेस्ट डॉक्यूमिंट्स वेरिफिकेशन

एग्जाम पैटर्न :
क्वेश्चन पैटर्न : एमसीक्यू
ड्यूरेशन : 60 मिनट
नेगेटिव मार्किंग : 0.25 मार्क्स
लैंग्वेज : हिंदी, अंग्रेजी, असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू शामिल हैं।

ऐसे करें आवेदन :
कर्मचारी चयन आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाएं।
वन-टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) पूरा करें।
अपने क्रेडेंशियल्स का यूज करके लॉग इन करें।
कॉन्स्टेबल (जीडी) परीक्षा 2026 आवेदन लिंक खोलें।
अपना स्कैन किया हुआ सिग्नेचर अपलोड करें।
फीस का भुगतान करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 4116 पदों पर निकली भर्ती

आरआरसी नॉर्दन ईस्ट की ओर से 4116 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस भर्ती अभियान के तहत फिटर, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, कारपेंटर आदि जैसे ट्रेडस में अप्रेंटिस की भर्ती की जाएगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rrcnr.org पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।
आवेदन शुरू: 25 नवंबर 2025
लास्ट डेट: 24 दिसंबर 2025

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास, ITI या समकक्ष डिग्री।

एज लिमिट :
अधिकतम 24 साल

फीस :
सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस - 100 रुपए
एससी, एसटी, महिलाएं, दिव्यांग : नि:शुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट सूची
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

स्टाइपेंड :
7,000 - 10,000 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rrcnr.org पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन करके लॉग इन करें।
मांगे गए डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) (रणनीति)

(नियमितता और सटीकता के साथ सफलता की ओर)
यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा (पेपर-I: सामान्य अध्ययन)
खंड–1: प्राचीन भारत (Ancient India)

1. अजंता की गुफाएँ मुख्यतः किस धर्म से संबंधित हैं?
(A) बौद्ध धर्म (B) जैन धर्म
(C) वैष्णव धर्म (D) शैव धर्म
उत्तर: (A)
व्याख्या: अजंता की गुफाएँ बौद्ध धर्म से संबंधित हैं जिनमें बुद्ध के जीवन की घटनाएँ चित्रित हैं।

2. गुप्त काल को भारतीय इतिहास का 'स्वर्ण युग' क्यों कहा जाता है?
(A) साहित्य और कला का उत्कर्ष हुआ
(B) विज्ञान व गणित का विकास हुआ
(C) राजनीतिक स्थिरता थी
(D) उपर्युक्त सभी
उत्तर: (D)
व्याख्या: गुप्त काल में कला, साहित्य, गणित, विज्ञान और धर्म का उत्कर्ष हुआ, इसलिए इसे स्वर्ण युग कहा जाता है।

3. 'अभिज्ञान शाकुंतलम' के रचयिता कौन थे?
(A) भास (B) कालिदास
(C) भवभूति (D) बाणभट्ट
उत्तर: (B)
व्याख्या: 'अभिज्ञान शाकुंतलम' संस्कृत साहित्य का प्रसिद्ध नाटक है जिसकी रचना कालिदास ने की थी।

4. आर्यभट्ट ने किस विषय में प्रसिद्ध ग्रंथ लिखा था?
(A) चिकित्सा (B) राजनीति
(C) गणित एवं खगोलशास्त्र
(D) दर्शन
उत्तर: (C)
व्याख्या: आर्यभट्ट ने 'आर्यभटीय' नामक ग्रंथ लिखा जिसमें शून्य, पाई, और ग्रहों की गति पर विचार हैं।

5. 'इलाहाबाद स्तंभ लेख' किसने लिखा?
(A) बाणभट्ट (B) कालिदास
(C) हरिषेण (D) विशाखदत्त
उत्तर: (C)
व्याख्या: इलाहाबाद स्तंभ लेख समुद्रगुप्त की विजयों का वर्णन करता है जिसे उनके दरबारी कवि हरिषेण ने लिखा।

6. हर्षवर्धन की राजधानी कहाँ थी?
(A) कन्नौज (B) पाटलिपुत्र
(C) प्रयाग (D) वैशाली
उत्तर: (A)
व्याख्या: हर्षवर्धन ने अपनी राजधानी थानेश्वर से कन्नौज स्थानांतरित की थी।

7. 'हर्षचरित' के लेखक कौन हैं?
(A) बाणभट्ट (B) कालिदास
(C) भवभूति (D) हरिषेण
उत्तर: (A)
व्याख्या: 'हर्षचरित' बाणभट्ट द्वारा लिखा गया हर्षवर्धन का जीवनी ग्रंथ है।

8. विक्रम संवत की स्थापना किसने की थी?
(A) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य
(B) हर्षवर्धन (C) कालिदास
(D) राजा विक्रमादित्य
उत्तर: (D)
व्याख्या: विक्रम संवत की स्थापना उज्जैन के राजा विक्रमादित्य ने 57 ई.पू. में की थी।

9. 'राष्ट्रकूट' वंश की राजधानी कहाँ थी?
(A) पैठन (B) मान्यखेत
(C) कांची (D) वारंगल
उत्तर: (B)
व्याख्या: राष्ट्रकूट वंश की राजधानी मान्यखेत (कर्नाटक) थी।

10. एलोरा की 'कैलाशनाथ मंदिर' का निर्माण किसने कराया?
(A) कृष्ण I (B) राजराज चोल
(C) नरसिंहवर्मन
(D) पुलकेशिन II
उत्तर: (A)
व्याख्या: एलोरा की प्रसिद्ध कैलाशनाथ मंदिर का निर्माण राष्ट्रकूट शासक कृष्ण I ने कराया था।

11. चोल शासकों की राजधानी कौन-सी थी?
(A) तंजावुर (B) मदुरै
(C) कांचीपुरम (D) श्रीरंगम
उत्तर: (A)
व्याख्या: तंजावुर चोल साम्राज्य की राजधानी थी।

12. 'बृहदेश्वर मंदिर' किसने बनवाया?
(A) राजराज चोल I
(B) नरसिंहवर्मन
(C) कृष्णदेव राय
(D) महेंद्रवर्मन
उत्तर: (A)
व्याख्या: बृहदेश्वर मंदिर तंजावुर में स्थित है, जिसे राजराज चोल I ने बनवाया था।

13. 'भक्ति आंदोलन' की शुरुआत दक्षिण भारत में किसने की?
(A) रामानुज (B) बसवेश्वर
(C) आळवार–नायनार संतों ने
(D) शंकराचार्य
उत्तर: (C)
व्याख्या: भक्ति आंदोलन का प्रारंभ आळवार और नायनार संतों ने तमिलनाडु में किया।

डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

ट्रायग्लिसराइड और कोलेस्ट्रॉल में क्या अंतर है?

-मैक्स अस्पताल के डॉक्टर ने बताया – हार्ट अटैक का खतरा किससे ज्यादा

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, अनियमित खान-पान और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण दिल से जुड़ी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामलों में लगातार इज़ाफा हो रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक, दिल की बीमारियों का एक बड़ा कारण शरीर में हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ट्रायग्लिसराइड का स्तर है। अक्सर लोग इन दोनों शब्दों को एक-दूसरे जैसा समझ लेते हैं, जबकि हकीकत में ट्रायग्लिसराइड और कोलेस्ट्रॉल दोनों फैट (लिपिड) होने के बावजूद शरीर में अलग-अलग भूमिका निभाते हैं। गुरुग्राम स्थित मैक्स अस्पताल के प्रिंसिपल कंसल्टेंट (कार्डियोलॉजी) डॉ. रोहित गोयल बताते हैं कि खून में पाए जाने वाले ये दोनों फैट अगर नियंत्रित न रहें, तो दिल की सेहत पर गंभीर असर डाल सकते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हार्ट अटैक का खतरा किससे ज्यादा होता है और किन परिस्थितियों में जोखिम कई गुना बढ़ जाता है।

ट्रायग्लिसराइड क्या होता है?
ट्रायग्लिसराइड शरीर में मौजूद एक तरह का फैट है, जो ऊर्जा का मुख्य स्रोत माना जाता है। डॉ. रोहित गोयल के अनुसार, जब हम अपनी जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेते हैं—चाहे वह मीठा हो, तला-भुना भोजन हो या अत्यधिक कार्बोहाइड्रेट—तो शरीर उस अतिरिक्त ऊर्जा को ट्रायग्लिसराइड के रूप में जमा कर लेता है। यह ट्रायग्लिसराइड हमारे फैट सेल्स में स्टोर रहता है और जरूरत पड़ने पर ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल होता है। लेकिन जब इसका स्तर सामान्य से ज्यादा बढ़ जाता है, तो यह शरीर के लिए नुकसानदेह बन जाता है।

ट्रायग्लिसराइड बढ़ने के प्रमुख कारण
ज्यादा और अनियंत्रित भोजन, मोटापा,

डायबिटीज, शारीरिक गतिविधि की कमी, बहुत अधिक मीठा, जंक फूड और तला-भुना खाना, अधिक शराब का सेवन, ट्रायग्लिसराइड बढ़ने से क्या नुकसान? जब खून में ट्रायग्लिसराइड का स्तर बढ़ता है, तो: खून गाढ़ा होने लगता है, रक्त नलिकाओं में सूजन बढ़ती है, दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है

कोलेस्ट्रॉल क्या होता है?
कोलेस्ट्रॉल भी एक प्रकार का फैट है, लेकिन यह शरीर के लिए पूरी तरह से खराब नहीं होता। दरअसल, कोलेस्ट्रॉल की एक निश्चित मात्रा शरीर के लिए जरूरी होती है। डॉ. रोहित गोयल बताते हैं कि कोलेस्ट्रॉल: कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है, हार्मोन बनाने में जरूरी होता है, विटामिन-D के निर्माण में सहायक होता है

कोलेस्ट्रॉल के प्रकार
शरीर में कोलेस्ट्रॉल मुख्य रूप से दो प्रकार का होता है:
LDL (लो-डेंसिटी लिपोप्रोटीन) – खराब कोलेस्ट्रॉल: यह वह कोलेस्ट्रॉल है जो दिल के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक माना जाता है। जब LDL का स्तर बढ़ता है, तो यह धमनियों की दीवारों पर जमकर प्लाक बना लेता है। इससे: धमनियाँ संकरी हो जाती हैं, खून का प्रवाह बाधित होता है, दिल को खून पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, हार्ट अटैक का सीधा खतरा पैदा हो जाता है
HDL (हाई-डेंसिटी लिपोप्रोटीन) – अच्छा कोलेस्ट्रॉल: HDL को "अच्छा कोलेस्ट्रॉल" इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह: अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल को धमनियों से हटाने में मदद करता है, उसे लिवर तक पहुंचाता है, जहां से वह शरीर से बाहर निकल जाता है, दिल को सुरक्षा प्रदान करता है

हार्ट अटैक का खतरा किससे ज्यादा होता है?
इस सवाल का जवाब देते हुए डॉ. रोहित गोयल साफ कहते हैं कि हार्ट अटैक का सबसे सीधा और बड़ा खतरा LDL यानी खराब कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से होता है। क्योंकि यही कोलेस्ट्रॉल धमनियों में ब्लॉकिज पैदा करता है, जो दिल के दौरे का मुख्य कारण बनता है। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं कि ट्रायग्लिसराइड सुरक्षित है।
डॉक्टर के अनुसार: अगर ट्रायग्लिसराइड ज्यादा हो, साथ में LDL भी बढ़ा हुआ हो, HDL कम हो, मरीज मोटापे या डायबिटीज से पीड़ित हो, तो इन सभी स्थितियों के मिलकर हार्ट अटैक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। ट्रायग्लिसराइड और कोलेस्ट्रॉल दोनों ही दिल की सेहत से सीधे जुड़े हुए हैं। जहाँ LDL कोलेस्ट्रॉल हार्ट अटैक का सबसे बड़ा और सीधा कारण माना जाता है, वहीं ज्यादा ट्रायग्लिसराइड इस खतरे को और बढ़ाने का काम करता है।
इसलिए जरूरी है कि: संतुलित आहार लिया जाए, नियमित व्यायाम किया जाए, वजन और शुगर को नियंत्रित रखा जाए, समय-समय पर लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराया जाए, दिल की सेहत को मजबूत बनाए रखने के लिए कोलेस्ट्रॉल और ट्रायग्लिसराइड—दोनों पर बराबर ध्यान देना बेहद जरूरी है।

2026 में MBA वालों का हाल कैसा रहेगा?

-India Skills Report 2026 के आंकड़ों से समझें पूरा गणित

मैनेजमेंट की दुनिया में करियर बनाने का सपना देखने वाले युवाओं के लिए MBA अब भी पहली पसंद बना हुआ है। सालों से यह माना जाता रहा है कि MBA करने के बाद अच्छी सैलरी वाली नौकरी लगभग तय होती है। कैंपस प्लेसमेंट, मल्टीनेशनल कंपनियां और मैनेजमेंट ट्रेनी जैसे शब्द MBA के साथ अपने-आप जुड़ जाते हैं। लेकिन बदलते दौर, टेक्नोलॉजी की तेज रफ्तार और इंडस्ट्री की नई जरूरतों ने इस तस्वीर को थोड़ा जटिल बना दिया है।
India Skills Report 2026 के आंकड़े यही बताते हैं कि MBA की अहमियत अब भी है, लेकिन पहले जैसी "गारंटी" नहीं रही।

India Skills Report 2026 क्या कहती है?
India Skills Report 2026 को एजुकेशनल टेस्टिंग सर्विस (ETS) ने कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII), AICTE, AIU और टैग्ड के सहयोग से जारी किया है। यह रिपोर्ट देश में अलग-अलग डिग्रियों की रोजगार क्षमता (Employability) को मापती है, यानी कौन-सी डिग्री करने के बाद स्टूडेंट्स इंडस्ट्री के लिए कितने "जॉब-रेडी" हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2026 में MBA ग्रेजुएट्स की रोजगार क्षमता घटकर 72.76 प्रतिशत रह गई है। जबकि 2025 में यह आंकड़ा करीब 78 प्रतिशत था। यानी एक साल में लगभग 5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है।

क्या MBA की चमक फीकी पड़ रही है?
सीधा जवाब है—पूरी तरह नहीं, लेकिन मुकाबला जरूर बढ़ गया है। रिपोर्ट बताती है कि बीते कुछ वर्षों में टेक्नोलॉजी से जुड़ी डिग्रियां जैसे BTech, MCA, डेटा साइंस, AI और साइबर सिक्योरिटी जैसी स्किल-आधारित पढ़ाई तेजी से आगे बढ़ी हैं। कंपनियों को अब

ऐसे प्रोफेशनल्स चाहिए जो टेक्नोलॉजी को समझते हों और तुरंत काम में उतर सकें। MBA अब भी जॉब देने वाली मजबूत डिग्री है, लेकिन "जनरल MBA" की जगह स्पेशलाइज्ड MBA की मांग ज्यादा हो रही है। सिर्फ डिग्री होना काफी नहीं, अब स्किल, इंडस्ट्री एक्सपोजर और प्रैक्टिकल नॉलेज सबसे अहम फैक्टर बन चुके हैं।
2020 से 2026 तक MBA की रोजगार क्षमता का पूरा गणित
अगर पिछले 6-7 सालों के आंकड़ों पर नजर डालें तो तस्वीर और साफ हो जाती है—
2020 – 54%
2021 – 46.59%
2022 – 55.09%
2023 – 60.1%
2024 – 71.16%
2025 – 78%
2026 – 72.76%
इन आंकड़ों से साफ है कि 2021 में MBA की रोजगार क्षमता सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई थी। कोरोना महामारी, आर्थिक सुस्ती और हायरिंग फ्रीज इसका बड़ा कारण रहे। इसके बाद 2022 से 2025 तक लगातार सुधार देखने को मिला और 2025 में यह 78 प्रतिशत के साथ काफी मजबूत स्थिति में पहुंच गई। हालांकि 2026 में फिर से हल्की गिरावट आई, जो यह संकेत देती है कि इंडस्ट्री की मांग अब ज्यादा स्किल-फोकस्ड हो चुकी है।

दूसरी डिग्रियों के मुकाबले MBA की स्थिति
India Skills Report 2026 के मुताबिक 2026 में भी MBA की रोजगार क्षमता कई दूसरी डिग्रियों से बेहतर है।
BCom, BSc, BA जैसी जनरल डिग्रियों की तुलना में MBA आज भी टॉप पर है। यहां तक कि कुछ मामलों में MBA, BTech और MCA जैसी टेक्निकल डिग्रियों के बराबर खड़ा नजर आता है। लेकिन फर्क यह है कि टेक्नोलॉजी डिग्रियों में स्किल-गैप कम है, जबकि MBA ग्रेजुएट्स में यह गैप अब भी मौजूद है। कई स्टूडेंट्स थ्योरी तो पढ़ लेते हैं, लेकिन इंडस्ट्री-रेडी स्किल्स जैसे डेटा एनालिसिस, डिजिटल टूल्स, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर और बिजनेस एनालिटिक्स में कमजोर रह जाते हैं।

जनरल MBA बनाम स्पेशलाइजेशन
रिपोर्ट का सबसे अहम संकेत यही है कि अब जनरल MBA की बजाय स्पेशलाइजेशन की मांग ज्यादा बढ़ गई है।
इन फील्ड्स में MBA करने वालों की डिमांड खास तौर पर देखी जा रही है—
MBA in Business Analytics, MBA in Data & AI Management, MBA in Finance (FinTech फोकस के साथ), MBA in Supply Chain & Logistics, MBA in Digital Marketing, MBA in HR Analytics
कंपनियां अब ऐसे मैनेजर्स चाहती हैं जो सिर्फ टीम संभालना ही नहीं, बल्कि डेटा पढ़ना, टेक्नोलॉजी टूल्स चलाना और तेजी से फैसले लेना जानते हों।

अल्पसंख्यक मुस्लिम एजुकेशनल हॉस्टल एण्ड वेलफेयर फाउंडेशन की बैठक आयोजित

कोटा (रॉयल पत्रिका)। अल्पसंख्यक मुस्लिम एजुकेशन हॉस्टल एण्ड वेलफेयर फाउंडेशन (हॉस्टल तामीरी महिम) की प्रदेश स्तरीय मीटिंग 5-B-15 विज्ञान नगर थाने के सामने, विज्ञान नगर कोटा, मुहिम हॉस्टल पर मुनक़्क़ीद की गई। मीटिंग की शुरुआत तिलावत ए कुरान से की गई। ट्रस्ट के सदर खुर्शीद अनवर ने ट्रस्ट की मेंबरशिप को बढ़ाकर 5000 मेम्बर्स करने की राय पेश की जिस पर सभी सदस्यों ने इस फैसले की हिमायत की, साथ ही उन्होंने कहा कि हर साल 5000 मेंबर्स से एक निर्धारित राशि एकत्रित करने व हर मेंबर 10 लोगों से दो-दो हज़ार रुपये की इमदाद करवाए, सभी नए मेंबर को मुहिम के जरिए मेंबरशिप सर्टिफिकेट व मेंबरशिप आईडी दी जाएगी। मुहिम हॉस्टल कोटा में ग्राउंड फ्लोर की खाली जगह में क्लासरूम बनाए जाएंगे जिन में टोंक मोडल पर कंप्यूटर कोर्सेज, टेली, ग्राफिक डिजाइनिंग, प्रोफेशनल कोर्सेज कराए जाएंगे जिन से कौम के बेरोजगार स्टूडेंट को रोजगार मिल सके बड़ी कंपनियों में प्लेसमेंट दिलवाया जा सके, कॉम्पिटिशन क्लासेज के लिए क्लासरूम लाइब्रेरी भी कायम की जाएगी ग्राउंड फ्लोर पर आधुनिक मेस बनाई जाएगी। मुहिम के जरिए राजस्थान में सभी ब्लॉकों में ब्लॉक मेंबर्स की मदद से कोचिंग वह लाइब्रेरी कायम की जाएगी। सभी ब्लॉक में एवारनेस प्रोग्राम चलाए जाएंगे। आगामी 15 दिनों में ट्रस्ट के सभी ट्रस्टीयों की दोबारा मीटिंग बुलाई जा कर जरूरी मसलों पर राय मशवरा किया जाएगा व बड़ी जिम्मेदारी दी जायगी ऐसा फैसला अमल में लाया जायगा जिससे जिससे कर्ज की अदायगी दो-तीन माह में की जा सके। प्रोग्राम को आगे बढ़ते हुए ट्रस्टी मोहब्बत अली प्रिंसिपल शाहपुरा व सलीम अब्बासी ने तालीम को बढ़ावा पर जोर दिया । मेहमूद अहमद रज़ा कोषाध्यक्ष के जरिए ट्रस्ट का हिसाब सत्र वाइस 2020-21से 2024-25 तक पेश किया गया व चालू वित्तीय वर्ष नवंबर 2025 तक का हिसाब भी दिया गया। बैठक में मौजूद लोगों को हिसाब की फाइल ऑडिट रिपोर्ट लेजर बिल वाउचर दिखाकर हिसाब सत्र वाइज हिसाब पेश किया गया।कोषाध्यक्ष ने सभी ट्रस्टी और मेंबर्स से जल्द से जल्द कर्ज-ए-हसना को चुकाने की अपील की है प्रोग्राम के आखिर में कोटा रेंज पुलिस कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़ में हेड कांस्टेबल से ASI व ASI से SI बने 25 थाना अधिकारियों को मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर इस्तकबाल किया गया। प्रोग्राम में मोहम्मद मियां आरिफ कुरेशी ट्रस्टी (डूंगरपुर) शेर मोहम्मद झालावाड़, अतिरिक्त प्रशाशनिक अधिकारी मुश्ताक़ अहमद, खालिद शेख़, मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट से हयात खान, जाकिर भाई, इमाम हुसैन, मुख्तार अंसारी व AMP चैप्टर हेड कोटा कमरूज्जमा, लईक हसन जयपुर, डॉक्टर नासिर खान, डॉक्टर मज़हर, सब इंस्पेक्टर शबाना, मुक़ीम भाई, जावेद अहमद (बारां) व प्रदेश भर से मेंबर्स ने शिरकत की।प्रोग्राम के आखिर में मुहिम हॉस्टल जिम्मेदार मोहम्मद हुसैन ने आए हुए सभी मेहमानों का शुक्रिया अदा किया।

उम्मीद पोर्टल पर चढ़ी हुई संपत्तियों के संशोधन के लिए विशेष शिविर 24 को

बारां (रॉयल पत्रिका)। वक्फ कमेटी बारां के प्रवक्ता शोएब अख्तर ने बताया कि राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फस जयपुर द्वारा राज्य की तमाम वक्फ कमेटियों को लेटर जारी कर बताया कि उम्मीद पोर्टल पर चढ़ी हुई वक्फ संपत्तियों में रही कुछ खामियों ओर उनसे संबंधित संशोधन के लिए राजस्थान वक्फ बोर्ड द्वारा जिलेवार शिविर का आयोजन किया जाएगा। उसी क्रम में 24 दिसंबर 2025 बुधवार को कार्यालय वक्फ कमेटी बारां में चेयरमैन इरफान अंसारी की सदारत में शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में राजस्थान वक्फ बोर्ड से जिला प्रभारी अब्दुल हफीज भी मौजूद रहेंगे। चेयरमैन इरफान अंसारी ने बताया कि 24 दिसंबर को आयोजित होने वाले शिविर के लिए तमाम तैयारियां पूर्ण कर ली गई है, जिसमें वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने वाली पूरी टीम शिविर में मौजूद रहेंगी।

झालरापाटन नगर पालिका के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

-मोहम्मदी नगर कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने से लोग परेशान

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। झालरापाटन स्थित मोहम्मदी नगर कॉलोनीवासियों कि समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष मोहम्मद खालिद अन्य पार्षदो के साथ प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन। गौरतलब है कि कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने से कॉलोनीवासियों को आ रही परेशानी, कांग्रेस के पार्षदो के तत्वावधान में एकत्र हुए। और प्रदर्शन किया। बाय पास रोड़ पर बीएसएनएल ऑफिस के सामने लगभग नब्बे प्रतिशत बस चुकी आवासीय कॉलोनी जिसके बाशिंदे मूलभूत सुविधाओ को लेकर तरस रहे है। नेता प्रतिपक्ष मोहम्मद खालिद ने बताया कि मोहम्मदी नगर कॉलोनी करीब 15 वर्ष पहले बसी थी। इस कॉलोनी में 90 प्रतिशत लोगों ने मकान का निर्माण कर लिया है। शेष कई भूखंडों पर भी मकान निर्माणाधीन है, लेकिन कॉलोनी में अभी तक नालियों का निर्माण नहीं कराया गया है।जिससे नालियां नहीं होने से लोगों के घरों से निकलने वाला सारा पानी सड़क पर आ जाता है वही पीने के पानी की लाइन भी अब तक नही है । कॉलोनी निवासी मोहम्मद अख़लाक़ गौरी ने बताया की पानी की पाइपलाइन नहीं होने से लोगों के लिए पीने के पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। वर्तमान में लोगों को नलकूप और ट्यूबवेल का पानी काम में लेना पड़ रहा है। जो कि अधिकतर ट्यूबवेल में पीने योग्य नहीं है। इसके कारण कई घरों में लोगो को पेट दर्द की शिकायत बनी रहती है। कॉलोनी में नालियां नहीं होने से लोगों के घरों से निकलने वाला सारा पानी बारिश का कीचड़ सड़क पर आ जाता है। कॉलोनी में रोड़ लाइट की सुविधा कई जगह नही है रोड़ लाइट की केबल नही होने से लाइट नही लगाई गई जिससे अंधेरे में कॉलोनीवासी रहने को मजबूर हो रहे है। प्रदर्शन करने वालो में उपस्थित रहे। पार्षद रिजवान अहमद, पार्षद नवीन मेघवाल,मोहम्मद क़ासिम भट्टी, बालचंद रावल सहित कॉलोनी के निवासी मोहम्मद अख़लाक़ गोरी मकसूद भाई अंसारी, मुशताक रंगरेज़, जाकिर तंवर .शोएब कुरैशी मौलाना जुबेर आरिफ गोरी...इबादुर्र रहमान कुरैशी, असरार गोरी, आशिफ अंसारी, शौकत भाई.सलाम, अशरफ पठान, पप्पू पठान,की अगुवाई में कॉलोनी निवासियों ने समस्याओं को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

थाना प्रभारी राजेंद्र मीणा को कस्बे के लोगों ने दी विदाई

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत राजेंद्र प्रसाद मीणा थाना प्रभारी स्थानांतरण अब एसपी ऑफिस डीएसटी पद पर किया गया। मीणा ने थाना परिसर में पेड़-पौधे लगवाए, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की और चारदीवारी का निर्माण भी करवाया। स्थानीय नागरिकों और सहयोगी स्टाफ ने उनके योगदान को बेहतर बताया। बुधवार को कस्बेवासियों एवं पुलिस। स्टाफ ने मीणा का जुलूस निकाल कर स्वागत किया।

पंचायत शाह समाज ने किया पार्षद शरीफ रंगरेज का स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका)। पंचायत शाह समाज बारां द्वारा मुस्लिम जमातखाने पर एक प्रोग्राम आयोजित किया । पंचायत के पूर्व सदर डॉ. वसीम अहमद शाह ने बताया कि पंचायत के सदर माशूक अली चिश्ती की सदारत में पार्षद रहते हुए वार्ड में रिकॉर्डतोड़ विकास कार्य करवाने पर पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज का माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर इस्तकबाल किया गया। पंचायत के उमर फारूक और शकील अहमद ने बताया कि श्रमिक कॉलोनी में बरसो पुरानी मांग, मुख्य सड़क बाबा फूलपीर जमातखाने से मोहम्मदी मस्जिद तक जो बरसों से निर्माण के इंतजार में था, उस कार्य को वार्ड नम्बर 44 के पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज द्वारा काफी जद्दोजहद करने के बाद पूरा करवाया जिससे कि श्रमिक कॉलोनी के निवासियों को काफी राहत मिली। शाह समाज द्वारा पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज के इस बेहतरीन कार्य की प्रशंसा करते हुए उनका इस्तकबाल किया गया। इस्तकबालिया प्रोग्राम में पश्चात समाज के सभी सदस्यों ने 5 अप्रैल 2026 को ऑल मुस्लिम इज्तेमाई निकाह सम्मेलन के जी एन कॉलेज ग्राउंड में करने का भी प्रस्ताव लिया, जिसका सभी सदस्यों ने समर्थन किया। इस दौरान समाज के जिम्मेदार लोग मौजूद रहे।

वाई जी एन कॉलेज व हुसैनी सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में नवनियुक्त जिलाध्यक्षों का किया स्वागत

कोटा (रॉयल पत्रिका)। वाई जी एन कॉलेज विज्ञान नगर व केंद्रीय हुसैनी सोसायटी के संयुक्त तत्वधान में अरशद अंसारी व राजा वारसी की तरफ से कांग्रेस द्वारा अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष व देहात अध्यक्ष नियुक्त हुए पदाधिकारियों का इस्तकबाल किया गया। कोटा शहर से मोहम्मद जुबेर, कोटा देहात से असरार अहमद, झालावाड़ से डॉक्टर जी एम सय्यद, बूंदी से जावेद जैड ओर बारां से अली हुसैन टीपू का इस्तकबाल किया गया। साथ ही कैथून निवासी महिला जो देहली में गुम हो गई थी जिसे कोटा वापस लाने पर जाहिद निजामी मस्तान का इस्तकबाल किया गया। वाई जी एन कॉलेज व हुसैनी सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में नवनियुक्त जिलाध्यक्षों का किया स्वागत.docxइस मौके पर वाई जी एन एजुकेशन ग्रुप के अध्यक्ष अरशद अंसारी, हुसैनी सोसाइटी के अध्यक्ष राजा वारसी, अंसारी वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष सिराज अहमद अंसारी, शाहनवाज, तोसिफ आदि लोग उपस्थित रहे।

राजकीय महाविद्यालय में इनरव्हील क्लब के तत्वावधान में एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन हुआ

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। राजकीय महाविद्यालय में इनरव्हील क्लब ने एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। जिसमें विद्यार्थियों को घरेलू उद्योग से जुड़ी विभिन्न विधाओं की जानकारी दी गई। क्लब अध्यक्ष नीतू गुप्ता ने बताया कि इस प्रशिक्षण सत्र में कुकिंग, हैंडमेड ज्वेलरी, गिफ्ट पैकिंग, क्रोशिया जैसी विधाओं का व्यावहारिक ज्ञान महिलाओं द्वारा कॉलेज के छात्र-छात्राओं को दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका उर्मिला जैन भाया ने निभाई। बारां की संगीता कासलीवाल, जो घर पर बनाए जाने वाले मीठे व नमकीन व्यंजनों के माध्यम से अपनी पहचान बना चुकी हैं, ने कुकिंग से जुड़े अनुभव साझा किए। वहीं लवली खंडेलवाल ने हैंडमेड ज्वेलरी डिजाइन कर घर से ही रोजगार स्थापित करने की जानकारी दी। श्वेता मित्तल ने रीति-रिवाजों से संबंधित गिफ्ट पैकिंग के बारे में बताया और कहा कि जो सेवाएं पहले कोटा जाकर लेनी पड़ती थीं, वे अब बारां में ही उपलब्ध हैं। मनीषा गोयल ने प्राचीन क्रोशिया विधा से घर बैठे श्रीजी के वस्त्र निर्माण की जानकारी दी। राजकीय महाविद्यालय में इनरव्हील क्लब के तत्वावधान में एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन हुआ.docxइनरव्हील क्लब की बिंदु मारू ने बताया कि इन सभी गतिविधियों को घरेलू उद्योग के रूप में अपनाकर पुरुष महिला आत्मनिर्भर बन सकती हैं और जीवन-यापन कर सकती हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में त्रिशला जैन एवं चित्रा जैन की विशेष भूमिका रही। कॉलेज स्टाफ एवं विद्यार्थियों का पूर्ण सहयोग कार्यक्रम को प्राप्त हुआ।

प्रदेश सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित हुई रन फॉर विकसित राजस्थान

-चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, निकाली साइकिल रैली

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर प्रदेश सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार "रन फॉर विकसित राजस्थान" का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल से चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एडीएम अर्पिता सोनी, पंकज गुप्ता, बसंत शर्मा सहित अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रन को रवाना किया। रन मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल से शुरू होकर भरतीया अस्पताल, चंदनमल बहड़ सर्किल से होते हुए जिला स्टेडियम तक निकाली गई। इस अवसर पर विधायक सहारण ने कहा कि प्रदेश सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी, रोजगार एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए खेल, दौड़ जैसी शारीरिक गतिविधियां बेहद आवश्यक हैं। हम अपनी जीवनचर्या में नियमित रूप से इन गतिविधियों को शामिल करें। इस दौरान डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया, सीडीईओ संतोष महर्षि, सीएमएचओ डॉ. प्रदेश सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित हुई रन फॉर विकसित राजस्थान.docx मनोज शर्मा, पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील मेहरा, कोतवाल सुखराम चोटिया, भास्कर शर्मा, सुरेश सारस्वत, सीपी शर्मा, डीईओ प्रारंभिक ओमप्रकाश प्रजापत, जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत, शिशुपाल बुडानिया, सूर्यकांत चोटिया, विनय सोनी, सुनील ढाका, राजेन्द्र सिंह सहित पुलिसकर्मी, होमगार्ड, विद्यार्थी व अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। निकाली साइकिल रैली इसी मौके पर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद, जयपुर के निर्देशानुसार 'साइकिल पर संडे' कार्यक्रम के एक वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी आयोजन के तहत साइकिल रैली निकाली गई। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया। साइकिल रैली जिला मुख्यालय पर मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल से शुरू होकर जिला स्टेडियम तक निकाली गई।

ह्यूमन वेलफेयर एंड एजूकेशन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। ह्यूमन वेलफेयर एंड एजूकेशन डेवलपमेंट सोसाइटी बूंदी के ज़ेरे अहतमाम एक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रविवार 21 दिसंबर 2025 को जमाअत खाना लुहारान में सम्पन्न हुआ। प्रोग्राम में एएमपी स्टेट हेड चांद मोहम्मद शेख, टोंक से खुर्शीद अहमद, एडवोकेट अंसार इन्दोरी, इंजीनियर ऐजाजुद्दीन अंसारी, अब्दुल क़ादिर और दीगर मेहमानान ने शिरकत फ़रमाई। 100 से ज़्यादा प्रतिभाओं को मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा की जानिब से सद्र इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी, ट्रेज़रर अब्दुल मजीद अंसारी और रिज़वानुद्दीन अंसारी ने दसवीं और बारहवीं के दो टॉपर्स छात्राओं को नक़द पुरस्कार दिया गया। सभी वक्ताओं ने अपने सम्बोधन में शिक्षा के महत्व पर विशेष ज़ोर दिया। प्रोग्राम का संचालन अनवार शेख और रईस मोहम्मद ने किया।

अरावली बचाओ के लिए विरोध प्रदर्शन

-पैदल मार्च को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की शहीद भगत सिंह युवा क्रांति मंच ने

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर 24 दिसंबर को होने वालेअरावली बचाओ विरोध प्रदर्शन एवं पैदल मार्च हेतु स्थानीय होटल सनसिटी में शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच के माध्यम से अरावली बचाओ विरोध प्रदर्शन और पैदल मार्च हेतु प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया प्रेस कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता कर रहे हैं भारतीय किसान यूनियन चूरू के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग ने बताया कि अरावली पर्वतमाला भारत की सबसे प्राचीन पर्वतमाला है सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशानुसार 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली की श्रृंखला में नहीं माना जाएगा अरावली पर्वत श्रृंखला राजस्थान हरियाणा पश्चिमी उत्तर प्रदेश गुजरात दिल्ली एनसीआर के लंबे तकरीबन 700 किलोमीटर एरिया में फैली हुई है फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार 12081 मैप की गई पहाड़ियां में से सिर्फ 1048 पहाड़ियां ही 100 मीटर के बेंचमार्क में आती है इस निर्णय के अनुसार यदि अरावली की पहाड़ियों में खनन कार्य प्रारंभ हो गया तो अरावली अपनी पुरानी पर्वत श्रृंखला की निरंतरता को खो देगा और श्रृंखलाओं के बीच अंतराल पैदा हो जाएगा अरावली के खनन से धूल प्रदूषण पानी की कमी होगी जिससे पश्चिमी भारत के करोड़ों लोगों के जीवन पर संकट बना रहेगा पश्चिमी राजस्थान सूखे की मार से मर जाएगा तथा मरू प्रदेश का विस्तार दिल्ली एनसीआर और हरियाणा तक होने की संभावना हो जाएगी। मौसम आधारित खेती पर आधारित रहने वाला राजस्थान सूखे की मार झेलने पर मजबूर हो जाएगा। अरावली के खनन से औषधीय तत्व नष्ट हो जाएंगे बहुमूल्य धातुए खत्म हो जाएंगी तथा वन्य जीव का आवास खत्म होने से मानव के साथ उनका संघर्ष होगा जो मानव जीवन प्राणी जगत के लिए खतरनाक साबित होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक एचएन हॉस्पिटल के संचालक डॉ. मुमताज अली ने बताया कि अरावली श्रृंखला हमारी प्राकृतिक धरोहर है सरकार को चाहिए कि अरावली का संरक्षण करें मानव और वन्य जीवो को बचाने वाली औषधि पौधों को भी बचाएं और उनका संरक्षण देकर बचाएं तथा केंद्र एवं राज्य सरकार अपनी नैतिकता एवं राजधर्म को निभाएं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शहीद भगत सिंह क्रांतिकारी युवा मंच के जिला अध्यक्ष अनिल चौधरी ने बताया कि अरावली की सुरक्षा के लिए चिपको आंदोलन की तरह अरावली के प्रत्येक कन-कन और पत्थर से चिपकर एक बड़ा आंदोलन खड़ा करेंगे और सरकार को अरावली का संरक्षण करने के लिए झुकने पर मजबूर करेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजेश चौधरी ने बताया कि जिस तरह राजस्थान का मशहूर खिचड़ी आंदोलन हुआ था उसी तरीके से संपूर्ण राजस्थान में अरावली को लेकर अरावली बचाओ आंदोलन किया जाएगा अंकुश चौधरी ने अपील की 24 दिसंबर को सुबह 11:00 बजे लाल धर्म स्तूप स्थित इंद्रमणि पार्क से विरोध प्रदर्शन और पैदल यात्रा के रूप में जिला कलेक्ट्रेट तक पहुंचे तथा बड़ी संख्या में अरावली के संरक्षण हेतु पधारे। प्रेस कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम में विजेंद्र पूनिया राजेंद्र साहू अनिल चौधरी रोहित पूनिया महेंद्र सैनी कैलाश सैनी नर्सिंग अधीक्षक शिवम हॉस्पिटल और अखलाक खान सहित अनेक पदाधिकारी और युवा साथी मौजूद रहे।

जिला खेल स्टेडियम में स्पोर्ट्स स्कूल का उद्घाटन

-पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने की शिरकत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित जिला खेल स्टेडियम में रविवार को पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण एवं जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने नवनिर्मित स्पोर्ट्स स्कूल का उद्घाटन किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने संबोधित करते हुए कहा कि चूरू जिले में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं मंच उपलब्ध कराने की है। उन्होंने कहा कि शासन एवं प्रशासन खेलों के विकास के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। जिला प्रशासन द्वारा "एक पंचायत–एक खेल" जैसे नवाचारों के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला खेल स्टेडियम में स्थापित यह स्पोर्ट्स स्कूल आने वाले समय में जिले की खेल प्रतिभाओं के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगी। इससे खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक माहौल मिलेगा तथा वे राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन कर सकेंगे। विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि स्पोर्ट्स स्कूल की स्थापना से युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी और उन्हें करियर के नए अवसर मिलेंगे। जिले में स्पोर्ट्स स्कूल खेलों के विकास एवं युवाओं की प्रतिभा को निखारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शासन—प्रशासन के स्तर पर जिला खेल स्टेडियम व स्पोर्ट्स स्कूल में खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए अधिकतम प्रयास किए जाएंगे। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि जिला प्रशासन खेलों के विकास एवं खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिला प्रशासन एक पंचायत एक खेल के माध्यम से खेल प्रतिभाओं के लिए बेहतरीन अवसरों की दिशा में प्रयासरत है। जिला खेल स्टेडियम व राजगढ़ में स्थित खेल स्टेडियम को विश्वस्तरीय बनाने के लिए बेहतरीन विभागीय समन्वय के साथ त्वरित प्रयास किए जाएंगे। जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान एसडीएम सुनील कुमार, निवर्तमान जिला उप प्रमुख महेंद्र न्यौल, निवर्तमान प्रधान दीपचंद राहड़, वासुदेव चावला, चंद्राराम गुरी, बसंत शर्मा, ओम सारस्वत, अभिषेक चोटिया, सीताराम लुगरिया, धर्मेन्द्र राकसिया, नरेन्द्र सैनी, सुशील लाटा, भास्कर शर्मा, सुरेश सारस्वत, रचना कोठारी, सत्तार खान, पदमसिंह, श्रीराम पीपलवा, गोपाल बालाण, सुनील ढाका, मनीष, संदीप, आकाश सैनी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे। संचालन शिवकुमार शर्मा ने किया।

SDPI पाली जिला कमेटी ने महिला सम्मान के मुद्दे पर सशक्त उठाई आवाज

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला सचिव निज़ाम खान सिंधी के नेतृत्व में महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा महिला डॉक्टर के साथ किए गए अपमानजनक व्यवहार की कड़ी निंदा की गई। SDPI ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई, सार्वजनिक माफी और महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करने की मांग की है। SDPI हमेशा न्याय, संविधान और महिला सम्मान के साथ खड़ी रहेगी। इस कड़ी मे जिला अध्यक्ष सलमान मोयल जिला महासचिव शारुख अली, जिला सचिव निज़ाम खान सिंधी, जिला उपाध्यक्ष जाकिर हुसैन गौरी आदि मौजूद रहे।

सामाजिक बुराईयों को दूर करती है तालीम- मौलाना साजिद रिज़वी

-दरगाह रोशन अली शाह रहमतुल्लाह अलैह का 128 वां उर्स शुरू 101 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। उदयमन्दिर आसन स्थित हजरत रोशन अली शाह दुर्वेश रहमतुल्लाह अलैय के 128 वें उर्स के अन्तर्गत रात्रि में रोशन दुर्वेश चौक में इण्डियन जैन्टलमेन ग्रुप की ओर से तकरीर (धार्मिक व्याख्यान) एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ। प्रताप नगर फैजे आम मस्जिद के पेश इमाम मौलाना साजिद हुसैन रिज़वी ने 'इस्लाहे मआशरा' (समाज सुधार) विषय पर कहा कि हमें दीनी और दुनियावी तालीम (धार्मिक व सांसारिक शिक्षा) का पैगाम देते हुए समाज में लोगों को खासकर युवाओं को नशे एवं सामाजिक बुराईयों से दूर रहने के लिए जागरूक करना होगा। उदयमन्दिर मस्जिद के पेश इमाम मौलाना मोहम्मद इमरान मिस्बाही ने कहा कि हमें बच्चों को नमाज के साथ-साथ, लोगों की भलाई, आपसी मुहब्बत व मदरसे की तालीम के साथ ही हिन्दी, इंग्लिश, कम्प्यूटर और तरक्की के क्षेत्र के महारथी बनाना होगा। दरगाह कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद रमजान कुरैशी (भूरजी) ने कहा कि कार्यक्रम में नात खां अमान व हाफिज रेहान ने खुबसूरत नात पढी। इस मौके पर मदरसा रोशन इस्लामिया में पढने वाले 45 बच्चे व बच्चियों ने इस्लामिक सवाल-जवाब व नात शरीफ का बेहतरीन प्रदर्शन किया। मदरसे, स्कूल व कॉलेज में साल भर सराहनीय प्रदर्शन करने वाले, सरकारी नौकरी में चयनित तथा कार्यक्रम के अतिथियों, सहयोगियों सहित कुल 101 लोगों को मोमेंटो से सम्मानित किया गया। दरगाह कमेटी सचिव नईम मोहम्मद भाटी ने बताया कि प्रोग्राम में पीर नजमुद्दीन सुलेमानी चिश्ती अल फारूकी, कौम अब्बासियान के सदर अब्दुल रशीद अब्बासी, सचिव डॉ. निजामुद्दीन, उपाध्यक्ष अनवर अब्बासी, निजाम भाटी, गुलाम मोहम्मद (नगर निगम), पार्षद शेर मोहम्मद, पार्षद इरफान बेली, पार्षद फिरदौश, पार्षद प्रतिनिधि वसीम मामा, राजस्थान पुलिस के कम्पनी कमान्डर रोशन अब्बासी, सामूहिक शादियों के संयोजक बबलू सिराजुद्दीन, मदरसा सहप्रभारी अली मोहम्मद बेलिम, समाजसेवी लालजी, इण्डियन जैन्टलमेन ग्रुप के सदस्य सिकन्दर पंवार, सिकंदर भाटी, नवाज लंगा, जाकिर हुसैन, मौलाना जीशान, अकरम भाटी, रमजान पंवार, शहाबुद्दीन सैद, निसार बैलिम, निजामुद्दीन कुरैशी, बुंदू, आशिक मुल्लाजी, रमजान पवार, असलम भाटी, इकरामुद्दीन पवार तथा दरगाह के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण सहित अब्बासी समाज के बुजुर्ग, युवा, महिलाएं एवं आमजन मौजूद थे। अन्त में सलातोसलाम के बाद फातेहाखानी हुई और सभी को शिरनी बांटी गई। मुल्क में अम्नोशान्ति, खुशहाली व भाईचारे की दुआ कराई गई। संचालन मौलाना इमरान मिस्बाही व एडवोकेट लतीफ अब्बासी ने किया।

गिट्स एवं फ्यूज़न बिज़नेस सोलूशन्स प्राइवेट लिमिटेड में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सपोर्ट हेतु करार

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्निकल स्टडीज डबोक उदयपुर एवं प्रमुख एमएनसी कंपनी फ्यूज़न बिज़नेस सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सपोर्ट हेतु करार हुआ. यह करार में गीतांजलि ग्रुप की निदेशक मिस कनिका अग्रवाल एवं फ्यूज़न बिज़नेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड की सीईओ एवं संस्थापक मिस श्वेता दुबे के मध्य आवश्यक दस्तावेजों के आदान–प्रदान के माध्यम से संपन्न हुआ। संस्थान के निदेशक डॉ. एस एम प्रसन्ना कुमार ने बताया कि इस करार के अंतर्गत फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, एक्सपर्ट टॉक एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। साथ ही अत्याधुनिक प्रशिक्षण एवं विकास केंद्रों की स्थापना कर छात्रों और शिक्षकों को नवीन तकनीकों एवं व्यावसायिक कौशल से सुसज्जित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, नवाचार उद्यमिता एवं इनक्यूबेशन से संबंधित गतिविधियों में भी दोनों संस्थान मिलकर कार्य करेंगे। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट हेड डॉ. अरविन्द सिंह पेमावत ने इस समझौते को गिट्स के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को उद्योग–उन्मुख प्रशिक्षण एवं गुणवत्तापूर्ण प्लेसमेंट उपलब्ध कराएगा साथ ही विद्यार्थी इंडस्ट्रियल वातावरण से रूबरू होंगे। इस अवसर पर वित्त नियंत्रक बी एल जागिंड ने कहा कि इंडस्ट्री और एकेडेमिया के बीच की दूरी को कम करना आज की सबसे बड़ी चुनौती है, और यह साझेदारी उसी दिशा में एक सशक्त कदम है। इस कार्यक्रम में फ्यूज़न बिज़नेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट शक्ति सिंह शेखावत एवं कुलदीप भटनागर सहित दोनों ग्रुपस के प्रमुख मेंबर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर शैलजा राणावत द्वारा किया गया ।

सांचौर शहर में चोरों की वारदातों से दहशत, एक ही रात में सात से अधिक स्थानों पर टूटे ताले

-व्यापारियों में पुलिस प्रशासन पर भारी रोष, कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

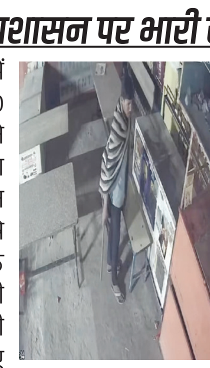

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। शहर में पिछले 10 दिन में चोरों की 10 से अधिक वारदातें सामने आने के बाद शहर की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हैं प्रतिदिन रात्रि में चोरों के हौसले बुलंद रात्रि को चोरों ने एक के बाद एक आठ दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। हैरानी की बात यह रही कि यह घटनाएं शहर के उन इलाकों में हुई जहां रात के समय में भी लोगों की आवा जाही बनी रहती हैं। सरकारी रोडवेज बस स्टैंड के पास और चार रास्ता रानीवाड़ा रोड क्षेत्र में बदमाशों ने लोहे के सरिया से ताले तोड़े चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई। जिसमें ताले तोड़ते नजर आ रहे हैं बेझिझक चोर, लेकिन इन चोरों को पुलिस का कोई खौफ नहीं हर रोज चोरियों की घटनाएं घटित हो रही हैं। जिसको लेकर ना तो पुलिस प्रशासन कोई ठोस कदम अपना रहा है ना ही कोई कार्रवाई हो रही है चोरी की नीयत से निकले बदमाश पूरी रात शहर में देखो घूमते रहे लेकिन हैरानी की बात यह है कि पुलिस गस्त का कोई भी जवान ना तो उन्हें देख पाया और नहीं पकड़ सका इससे आमजन में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। लगातार हो रही चोरियों की घटनाओं से लोग खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं शहर के सरकारी बस स्टैंड के आसपास केबिन में छोटी-छोटी दुकान चलाकर गुजर बसर करने वाले गरीब दुकानदारों को चोरों ने खास तौर पर निशाना बनाया।सांचौर शहर में चोरों की वारदातों से दहशत.docx बस स्टैंड क्षेत्र में करीब 7 दुकानों के ताले तोड़े गए जहां से नगदी और सामान चोरी कर लिया गया पीड़ित दुकानदारों में शंकर गवारिया,भगाराम गवारिया,मांगीलाल बिश्नोई,दिनेश गवारिया,गिरधारी सेन,मोटाराम प्रजापत सहित अन्य शामिल है चोर दुकानों से झाड़ू और खिलौने जैसे सामान भी उठा ले गए। लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों से शहर वीडियो में आक्रोश है और वह पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई, नियमित रात्रि गश्त और संदिग्धो पर कड़ी नजर रखने की मांग कर रहे हैं यदि जल्दी प्रभावित कम नहीं उठाए गए तो शहर की कानून व्यवस्था पर जनता का भरोसा और कमजोर हो जाएगा।

ग्राम सेहनाली बड़ी में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में स्वेटर वितरण किए गए

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सहनाली बड़ी में इंसानियत एकता सेवा समिति के तत्वावधान में रिटायर्ड थानेदार हाजी जोरावर खान के सौजन्य से 80 विद्यार्थियों को तथा विद्यालय स्टॉफ सदस्यों मुबारक खान, रामचंद्र मेघवाल, जीतू सिंह चारण, जयप्रकाश एंव सुरेश कुमार द्वारा 57 विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित की गईं। स्वेटर वितरण का यह नेक कार्य अध्यापक मुबारक खान की प्रेरणा से किया गया। इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान उर्दू ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही इंसान अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है। और शिक्षा ही एक ऐसी चीज है जिसका कभी बंटवारा नहीं हो सकता। मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने बताया कि इंसानियत एकता सेवा समिति द्वारा पिछले पांच वर्षों से सामाजिक सरोकार में विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान विद्यालय स्टॉफ में दुर्गा जी, बबिता जी, सरिता जी, कविता जी, कृष्णा जी, सुलोचना जी और इंसानियत एकता सेवा समिति के व्यवस्थापक जाफर खान आदि मौजूद रहे। संचालन नीरू ने किया। प्रधानाध्यापक रामचंद्र मेघवाल ने समिति का आभार व्यक्त किया।

सांचौर के पलादर ग्राम पंचायत में 7500 की आबादी पर खुद का जीएलआर नहीं, छोटी विरोल के भरोसे यहां जलापूर्ति

-जल जीवन मिशन घर-घर पेयजल योजना बिछाई गई पाइपलाइन घटिया गुणवत्ता की है ग्रामीणों का आरोप

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। जल जीवन मिशन के तहत घर-घर पेयजल पहुंचने के दावों की सच्चाई सांचौर क्षेत्र की पलादर ग्राम पंचायत में सवालों के घेरे में आ गई है जल भंडारण व वितरण के लिए आबादी के अनुपात में जीएलआर निर्माण को लेकर बड़ी अनियमितता सामने आई है 7500 से अधिक की आबादी वाली पंचायत में एक भी जीएलआर नहीं बनाया गया जबकि विभाग ने करीब 5 किलोमीटर दूर छोटी विरोल गांव में स्थित जीएलआर को तीन गांव की जलापूर्ति का केंद्र बना दिया है। ग्रामीणों के अनुसार छोटी विरोल बड़ी विरोल और पलादर तीनों गांव की आबादी को एक ही जीएलआर से जोड़ दिया गया है जबकि छोटी विरोल व बड़ी विरोल की आबादी ही करीब 15000 से अधिक बताई जा रही है ऐसे में तीन गांव के लिए एक ही टंकी से जलापूर्ति होने पर पेयजल संकट उत्पन्न होना तय हैं ग्रामीणों का कहना है कि पलादर की अधिकांश आबादी रेतीले धोरों और ऊंचाई वाले क्षेत्र में बसी हुई है इतनी दूरी से पानी पहुंचाना संभव नहीं है आरोप है कि विभाग ने पलादर में जीएलआर निर्माण की बजाय कारी 5 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन बिछा दी जिससे दूर दराज की ढाणीयो तक आबादी के अनुपात में पानी पहुंचना मुश्किल होगा। घटिया पाइपलाइन और अधूरे कनेक्शन ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि घर-घर जल कनेक्शन के लिए बिछाई की पाइपलाइन घटिया गुणवत्ता की है और तय मापदंडों के अनुरूप नहीं। कई घरों में पाईप पहुंचा दिए गए लेकिन नल नहीं लगाए गए जिससे योजना दूरी पड़ी है। शिकायतों के बावजूद विभाग के अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। भविष्य की जरूरततो पर संकट ग्रामीणों का कहना है कि जीएलआर एक दीर्घकालीन परियोजना होती है जो वर्षों तक चलती है लेकिन मौजूदा क्षमता न तो भविष्य में बढ़ने वाली आबादी और ना ही दूर दराज की ढाणियों की जरूरतो को पूरा कर पाएगी। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दबाव के साथ पानी पहुंचाना संभव नहीं होगा। ग्रामीणों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच पलादर ग्राम पंचायत में अलग से जीएलआर निर्माण और घटिया पाइपलाइन की गुणवत्ता जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है समय रहते समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी हैं।

खटारा वाहन बने चालकों के लिए जी का जंजाल, हो सकता है बड़ा हादसा- मुस्ताक खान

लाडनूं/डीडवाना (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी ने बताया कि कार्यालय अधिशासी अभियंता जन स्वा० अभि० विभाग खंड डीडवाना के अधीन सहायक अभियंता PHED उपखंड डीडवाना के अधीन एक करीब 40 साल पुराना वाहन जीप RJ 21 C 1493 है जिसका जिला परिवहन अधिकारी द्वारा दस्तावेज भी खारिज कर दिया गया है। इस वाहन को संबधित विभाग के अधिकारी अपनी मनमर्जी से वाहन चालक से इस खटारा वाहन को सड़कों पर दोड़ाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। जो नियमानुसार सरासर ग़लत है। इसी प्रकार से सहायक अभियंता PHED उपखंड लाडनूं के अधीन भी एक करीब 40 साल पुराना वाहन जीप RJ 21 C 0761 है जिसका भी जिला परिवहन अधिकारी द्वारा दस्तावेज भी खारिज कर दिया गया है। इस वाहन को संबधित विभाग के अधिकारी अपनी मनमर्जी से वाहन चालक से इस खटारा वाहन को सड़कों पर दोड़ाने के लिए मजबूर कर रहे हैं, जो नियमानुसार सरासर ग़लत है। जानकारी अनुसार उपरोक्त दोनों वाहन करीब 1992 माडल के बताए जा रहे हैं और उपरोक्त दोनों वाहन पुरी तरह से कबाड़ा बना हुआ है फिर भी संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अपनी लापरवाही को नजरंदाज करते हुए गैर कानूनी तरीके से उपरोक्त दोनों वाहनो को जबरदस्ती तरीके से सड़कों पर चलाने के लिए वाहन चालकों को परेशान करते रहते हैं। जबकि नियमानुसार वर्षों पुराने उपरोक्त दोनों खटारे वाहनो की निलामी कबाड़ खाने में अब तक हो जानी चाहिए थी जो नहीं हो रही है। उपरोक्त दोनों वाहनो का डीजल / मरम्मत आदी खर्चा यथावत जारी है। सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी ने दोनों विभागों के जिम्मेदार अधिकारी से वाहन चालकों सहित विभाग के हित से सार्वजनिक रूप से अपील करते हुए बताया है की उपरोक्त दोनों खटारा वाहनो का तुरंत प्रभाव से नियमानुसार ओक्शन (नकारा सामान का निस्तारण) किया जाना चाहिए तथा दोनों विभागों में नये वाहन खरीदें जाने चाहिए ताकि वाहन चालकों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या या परेशानी नहीं झेलनी पड़े। इसके लिए लाडनूं विधायक मुकेश भाकर, बीजेपी नेता करणी सिंह, डीडवाना विधायक यूनुस खां और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल को भी आगे आकर यह मुद्दा अपने-अपने स्तर पर उठाया जाना चाहिए।

शौकत अंदाज पार्टी ने ईमान और सच्चाई का कव्वाली से दिया पैगाम

-हजरत रोशन अली शाह दुर्वेश उर्स का दूसरा दिन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। उदयमन्दिर आसन स्थित हजरत रोशन अली शाह दुर्वेश रहमतुल्लाह अलैय का 128 वाँ सालाना उर्स मुबारक बड़ी शानों शौकत व एहतराम के साथ शुरू हुआ। दरगाह कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद रमजान कुरैशी (भूरजी) ने कहा कि दरगाह कमेटी की जानिब से चादर व फूल पेशकर कर देश में अमन, चैन, भाईचारे की दुआएं मांगी गई। दरगाह कमेटी सचिव नईम मोहम्मद भाटी ने बताया कि उर्स के दूसरे दिन कव्वाल जफर अमीन साबरी एण्ड टीम और कव्वाल शौकत अंदाज व नदीम अंदाज ने मनमोहक कव्वालियां पेशकर समां बाँध दिया। अंदाज बंधु ने नातिया कलाम में कहा कि 'अल्लाह ने रसूल को कुरान दे दिया और हमको रसूले पाक ने ईमान दे दिया', 'जब से हम सच बोलने लगे है उस दिन से घर हमारे पत्थर बरसने लगे है।' सज्जादाह नशीन हजरत पीर नजमुद्दीन सुलेमानी चिश्ती अल फारूकी ने कहा कि समाज में शिक्षा की अलख जगानी होगी और कुरीतियों को मिटाना होगा। तभी समाज आगे बढ़ेगा। सभी मेहमानों का साफा व माला पहनाकर इस्तकबाल किया गया। इस दौरान दरगाह कमेटी के नायब सदर पिन्टू बैलिम, सहसचिव न्याज मोहम्मद भाटी, कैशियर अब्दुल हमीद पापाजी, प्रचार मंत्री शकील पंवार, सलाहकार मंत्री मुस्तफा मुगल, कमेटी सरपरस्त अब्दुल अजीज, अब्दुल रशीद बैलिम, सईद चौहान, कमेटी सदस्य फारूक बैग, सेमु सैद, पिन्टू बनाड, रोजी लंगा, अब्बास भाटी, हीरा कुरैशी, न्याज मोहम्मद, शाहरूख, हसन, रशीद पीर साहब, शकील पंवार, चांद लंगा, सिकन्दर सोलंकी सहित कमेटी के पदाधिकारी, समस्त सदस्यगण, कौम अब्बासियान से जुड़े बुजुर्ग, सरपरस्त, युवा एवं शहर व आस-पास के कई जायरीन मौजूद रहे।

सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह पर जायरीनों का आना शुरू

कपासन (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर रज्ज़ब माह की चाँद रात के मौके पर आशिके दीवाना व जायरीने दीवाना का उमड़ा जन सैलाब। दरगाह ऑफिस सैक्रेट्री शफी मोहम्मद छीपा के अनुसार रविवार को चन्द्र दर्शन के मौके पर सुबह से ही जायरीने दीवाना की आवक शुरू हो गई। दर्शन हेतु बुलन्द दरवाजा तक लम्बी-लम्बी कतारे लगी। मेला ग्राउण्ड मे 300 से उपर अस्थाई दुकाने लगी। मिलाद ख्वा हज़रात ने महफिले मिलाद पढ़ी व कव्वाल हज़रात ने बारी-बारी से अपने कलाम पेश कर दाद बटोरी। बुलन्द दरवाजा के बाहर पार्किंग स्थल वाहनो से सटा रहा। सांयकाल चिराग बत्ती के समय मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ की गई तो आमीन-आमीन की सदाओं से पुरा दरगाह परिसर गूंज उठा। इस माह मे अजमेर स्थित दरगाह हज़रत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती र.अ. के उर्स होने से दरगाह कपासन पर भी जायरीन की आवक जावक बनी रहेगी।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

यूपीएससी ईएसई परीक्षा में यूपी के मोहम्मद शाकिब ने किया टॉप

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग ने गुरुवार को भारतीय इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा, 2025 के अंतिम नतीजे घोषित कर दिए। इसमें बहराइच के मोहम्मद शाकिब ने देश में प्रथम स्थान (सिविल इंजीनियरिंग) प्राप्त किया है। शाकिब इससे पहले इसी परीक्षा में 15वीं रैंक प्राप्त कर चुके हैं और डिफेंस सेवा के लिए प्रशिक्षण ले रहे हैं। केंद्र सरकार के तहत विभिन्न इंजीनियरिंग सेवाओं में नियुक्ति के लिए 458 उम्मीदवारों की सिफारिश की गई है। आयोग ने कहा कि यह नतीजे अगस्त में हुई लिखित परीक्षा और अक्टूबर-नवंबर में हुए पर्सनैलिटी टेस्ट पर आधारित हैं। इसमें कहा गया है कि सिविल इंजीनियरिंग में सबसे अधिक 202 उम्मीदवारों, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार में 116, इलेक्ट्रिकल में 79 और मैकेनिकल स्ट्रीम में 61 उम्मीदवारों की सिफारिश की गई है। बयान में कहा गया है कि कुल चयनित उम्मीदवारों में से 26 बेंचमार्क विकलांग श्रेणी के हैं।

अन्य इंजीनियरिंग ब्रांच के टॉपर-

मैकेनिकल इंजीनियरिंग में निमेश चंद्रा ने टॉप किया है। अशोक दूसरे और हरि सिंह तीसरे स्थान पर रहे। जबकि इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में राजन ने पहला स्थान पाया है। विष्णु सैनी दूसरे और ओम प्रकाश तीसरे स्थान पर रहे। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार में उत्कर्ष ने टॉप किया है।

554 रिक्तियों को भरने की घोषणा-

सरकार ने इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा, 2025 के माध्यम से 554 रिक्तियों को भरने की घोषणा की थी। इनमें से 251 सिविल इंजीनियरिंग में, 134 इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार में, 97 इलेक्ट्रिकल में और 72 मैकेनिकल इंजीनियरिंग में थीं। आयोग ने यह भी कहा कि 102 अनुशंसित उम्मीदवारों की उम्मीदवारी अस्थायी है, जो पात्रता शर्तों के सत्यापन के अधीन है।

कौन हैं मोहम्मद शाकिब-

मोहम्मद शाकिब के देश की प्रतिष्ठित परीक्षा आईईएस में पहली रैंक पाने पर घर में खुशी का माहौल रहा। लोगों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई। कारोबारी भी दिन भर आते रहे। मोहम्मद शाकिब बहराइच के सालारगंज मोहल्ले में अपने माता-पिता और भाई-बहनों के साथ रहते हैं। यहीं रहते हुए उन्होंने इंटर की पढ़ाई सेवेंथ डे पब्लिक स्कूल से पूरी की। उनके पिता शकील अहमद मेकरानी कहते हैं कि शाकिब पहले पढ़ने में बड़ा कमजोर था। वह सही तरह से रिजल्ट नहीं दे पा रहा था, लेकिन मैंने उसका हौंसला बढ़ाया। हमेशा मैं उसे बेहतर बनने के लिए मोटिवेट करता रहा। यही वजह है कि बेटा महज एक साल कोटा में रहकर कोचिंग की और आईआईटी में क्वालिफाई कर गया। आईआईटी पटना से पढ़कर निकला तो उसे दो साल में ही 15वीं रैंक आईईएस में मिल गई और इसके बाद वे डिफेंस सेवा के लिए प्रशिक्षण ले रहे हैं। मगर उनकी इच्छा रेलवे सेवा में जाने की थी, इसलिए उन्होंने 2025 में रैंक सुधारने के लिए दोबारा यह परीक्षा दी। शाकिब आईआईटी से बीटेक करने के बाद ही आईईएस की तैयारी में जुट गया था। आईईएस के तीसरे प्रयास में उन्होंने टॉप किया है।

शकील अहमद का कहना है कि मेरा एक बेटा डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट से एमबीबीएस कर रहा है। इस साल वह इंटर्नशिप कर रहा है, बेटी भी लखनऊ में बीयूएमएस कर रही है। शकील अहमद राइस और दाल मिलर हैं। वह उपाध्यक्ष गल्ला उद्योग व्यापार मंडल भी हैं।

गुजरात की पहली मुस्लिम महिला आईपीएस का बढ़ाया गया कार्यकाल

नई दिल्ली। सारा रिज़वी, गुजरात की पहली मुस्लिम महिला आईपीएस अधिकारी, की जम्मू-कश्मीर में अंतर्राज्यीय कैडर प्रतिनियुक्ति दो साल के लिए बढ़ा दी गई है। वर्तमान में वे जम्मू-कश्मीर पुलिस मुख्यालय में डीआईजी का पद संभाल रही हैं। वाणिज्य स्नातक सारा मूल रूप से चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहती थीं, लेकिन एक स्पीच से प्रभावित होकर उन्होंने यूपीएससी की तैयारी की और सिविल सेवा में सफलता पाई। गुजरात की पहली मुस्लिम महिला आईपीएस सारा रिज़वी फिलहाल अंतर्राज्यीय कैडर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगी। केंद्र सरकार ने सारा रिज़वी की कैडर प्रतिनियुक्ति दो साल के लिए बढ़ा दी है। रिज़वी वर्तमान में जम्मू और कश्मीर पुलिस मुख्यालय में डीआईजी का पदभार संभाल रही हैं। गुजरात की यह महिला राज्य की पहली मुस्लिम महिला आईपीएस बनी हैं। जो अब अंतर्राज्यीय कैडर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगी। केंद्र सरकार ने उनकी कैडर प्रतिनियुक्ति दो साल के लिए बढ़ा दी है। वह वर्तमान में जम्मू और कश्मीर पुलिस मुख्यालय में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रही हैं। सारा रिज़वी गुजरात कैडर की पहली मुस्लिम महिला आईपीएस अधिकारी बन गई हैं। केंद्र सरकार ने उनकी अंतर्राज्यीय प्रतिनियुक्ति दो साल के लिए बढ़ा दी है। सारा रिज़वी 2008 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। उनका मूल कैडर गुजरात है। सारा रिज़वी वर्तमान में जम्मू और कश्मीर पुलिस मुख्यालय में डीआईजी के पद पर तैनात हैं। मुंबई में जन्मीं सारा रिज़वी को पहले निजी कारणों से गुजरात से जम्मू और कश्मीर अंतर-कैडर प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया था। अब सरकार ने उनकी प्रतिनियुक्ति दो साल के लिए बढ़ा दी है। इससे पहले उन्हें तीन साल के लिए प्रतिनियुक्ति दी गई थी। वह अक्टूबर 2022 में जम्मू और कश्मीर गई थीं।

सारा नहीं बनना चाहती थीं अधिकारी

सारा रिज़वी के नाम एक अनूठा रिकॉर्ड है। वह गुजरात की पहली मुस्लिम महिला आईपीएस हैं। उन्होंने यूपीएससी की तैयारी के लिए उर्दू माध्यम चुना और उन्हें एमईसीओ (मॉडर्न एजुकेशनल सोशल एंड कल्चरल ऑर्गनाइजेशन) से पूरा सहयोग मिला। सारा रिज़वी ने मुंबई से स्नातक तक की पढ़ाई की है। वह वाणिज्य से स्नातक हैं। सारा चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहती थीं, लेकिन एक व्याख्यान ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। डॉ. के. एम. आरिफ के व्याख्यान से वह इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने का फैसला किया। उन्होंने दो प्रयासों में सिविल सेवा में सफलता प्राप्त की। जम्मू और कश्मीर में तैनात सारा रिज़वी जम्मू और कश्मीर के उधमपुर में डीआईजी रह चुकी हैं। इसके अलावा, उन्होंने डीआईजी जम्मू (आईआर) और डीआईजी जम्मू आर्म्ड का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला है। सारा रिज़वी गोंडल में एएसपी भी रह चुकी हैं।

वर्ष 2008 में गोंडल में एएसपी रहीं

जम्मू-कश्मीर में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुकीं सारा रिज़वी ने 2007 में मुनव्वर खान से शादी की। उस समय मुनव्वर खान आरपीएफ में ट्रेनी सहायक सुरक्षा आयुक्त थे। आईपीएस बनने के बाद सारा रिज़वी ने गुजरात में भी अपनी सेवाएं दीं। उनकी पहली पोस्टिंग जामनगर में हुई और फिर उन्हें राजकोट के गोंडल तालुका में तैनात किया गया। एक समय गोंडल गैंगवार के लिए कुख्यात था। उन्हें गोंडल का एएसपी बनाया गया। मुंबई में जन्मीं सारा रिज़वी एक प्रतिष्ठित परिवार से आती हैं। उनके पिता अफज़ल अहमद विज्ञान स्नातक हैं। उनकी मां निगार रिज़वी ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है। सारा के भाई सिविल इंजीनियर हैं और बहन समीरा कंप्यूटर स्नातक हैं, जो दुबई में रहती हैं।

जयपुर के आदर्श नगर में एक नए को-वर्किंग स्पेस 'Work N Dip' का भव्य उद्घाटन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर अब सिर्फ पर्यटन ही नहीं, बल्कि स्टार्टअप्स और बिजनेस का भी हब बनता जा रहा है। लेकिन नए उद्यमियों (Entrepreneurs) और फ्रीलांसर्स के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है—एक किफायती और प्रोफेशनल ऑफिस स्पेस ढूँढना। इसी कमी को पूरा करने के लिए जयपुर के आदर्श नगर में एक नए को-वर्किंग स्पेस 'Work N Dip' की शुरुआत हुई है। "तस्वीरें जयपुर के आदर्श नगर स्थित दीपक मार्ग की हैं, जहाँ रविवार 21 दिसंबर को 'Work N Dip' को-वर्किंग स्पेस का भव्य उद्घाटन हुआ। Nextyug Global Services की इस पहल का मकसद शहर के प्रोफेशनल्स, सीए, वकीलों और फ्रीलांसर्स को एक छत के नीचे वर्ल्ड क्लास ऑफिस का माहौल देना है।" "इस मौके पर CA सज्जाद अजीज ने आए हुए लोगों का पूरे ऑफिस का दौरा करवाया।

यहाँ काम करने वालों के लिए हर वो सुविधा मौजूद है जो एक बड़े कॉर्पोरेट ऑफिस में होती है। चाहे आपको एक घंटे के लिए जगह चाहिए हो, एक दिन के लिए या फिर पूरे महीने के लिए—यहाँ हर तरह के 'Flexible Plans' मौजूद हैं।" "'Work N Dip' की सबसे बड़ी खासियत इसका किफायती होना है।

अगर आप सिर्फ एक दिन के लिए काम करना चाहते हैं, तो यहाँ 'Hot Seat' प्लान मौजूद है। इसके अलावा हाई-स्पीड वाई-फाई, फुली एयर-कंडीशन्ड स्पेस, प्रिंटिंग सुविधा और फ्री चाय-कॉफी की व्यवस्था भी है। यहाँ 'Virtual Desk' की सुविधा भी दी जा रही है, जिससे आप बिना ऑफिस रेंट किए, अपने बिजनेस के लिए एक प्रोफेशनल एड्रेस हासिल कर सकते हैं।" "तो अगर आप भी घर से काम करके बोर हो चुके हैं या फिर क्लाइंट मीटिंग्स के लिए जगह तलाश रहे हैं, तो यह स्पेस आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यहाँ न सिर्फ काम करने की जगह मिलती है, बल्कि नए लोगों से जुड़ने और नेटवर्क बनाने का मौका भी मिलता है।

पूनम अंकुर छाबड़ा को जन्मदिन की मुबारकबाद दी

जयपुर। ग्रेट रियलिटी प्लस फैसिलिटीज मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मोहम्मद आसिफ दाऊदी की ओर से पूनम अंकुर छाबड़ा शराब बंदी आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष की पुरखुलूस मुबारकबाद। पूनम अंकुर छाबड़ा शराब बंदी आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जन्मदिन समारोह शनिवार को जयपुर के रमाडा होटल में मनाया गया। मोहम्मद आसिफ दाऊदी ने उनके खास दिन पर ढेरों शुभकामनाएं दी। जन्मदिन समारोह की मेज़बानी अंकुर छाबड़ा ने की। इस अवसर पर केक काटा गया और उसके बाद एक शानदार डिनर का आयोजन किया गया। मेहमानों और परिवार के सदस्यों छाबड़ा को ढेरों आशीर्वाद और शुभकामनाएँ दीं। यह शाम प्यार, हँसी और खुशी से भरी हुई थी।

खरगे ने अजमेर शरीफ दरगाह में चादर चढ़ाई

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्स के मौके पर अजमेर शरीफ दरगाह में चादर चढ़ाई। खरगे ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा कि दरगाह हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (रह.) अजमेर शरीफ के 814वें उर्स मुबारक के मौके पर मैं खुद को और पूरी कांग्रेस पार्टी की तरफ से ख्वाजा के दरबार में चादर पेश करते हुए खुद को भाग्यशाली महसूस करता हूं। उन्होंने कहा कि ख्वाजा गरीब नवाज़ की शिक्षा सबके लिए प्यार आज के समय में सबसे ज्यादा प्रासंगिक है। खरगे ने कहा कि हमारे देश में हमेशा अमन, मोहब्बत, सामाजिक सद्भाव और एकता बनी रहे। इस मौके पर तारिक अनवर, इमरान प्रतापगढ़ी और मोहम्मद जावेद समेत कई कांग्रेस नेता मौजूद थे।

आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन में सर्वोच्च बलिदान!

-उधमपुर में कांस्टेबल अमजद अली खान शहीद

जम्मू-कश्मीर। पुलिस के विशेष अभियान समूह (स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप - SOG) के कांस्टेबल अमजद अली खान उधमपुर जिले में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में शहीद हो गए। तलाशी एवं घेराबंदी अभियान के दौरान तीन आतंकियों के साथ हुई गोलीबारी में खान गंभीर रूप से घायल हो गए थे, बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया। इस मुठभेड़ में दो अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। हालांकि, आतंकवादी जंगलों की ओर भागने में सफल रहे, जिसके बाद मजलता मनसर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान और मैनहंट जारी है। 17 दिसंबर को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कांस्टेबल अमजद अली खान को श्रद्धांजलि देते हुए पुष्पचक्र अर्पित किया। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव सलवा में किया गया, जहां सैकड़ों लोग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे। श्रद्धांजलियों में खान की मुस्लिम पृष्ठभूमि का भी उल्लेख किया गया और यह रेखांकित किया गया कि सीमापार आतंकवादी खतरों के खिलाफ जारी संघर्ष में सुरक्षा बलों को किस मानवीय कीमत चुकानी पड़ती है।

पंजाब आई ड्रॉप्स (आयुर्वेदिक औषधि साइड इफेक्ट रहित)

आँखों में निःशुल्क दवा डाली जाती है सुबह 8 से 11 बजे तक

- आँखों से कम दिखना। आँखों में धुंधलापन।
- आँखों में जलन। आँखों से पानी बहना।
- आँखों में खुजली।
- आँखों में मोबाइल एवं कम्प्यूटर से रेडिएशन।
- आँखों से मोतियाबिन्द हटाने में उपयोगी।

स्थाई लाभ के लिए प्रतिदिन दिन में 3 बार 2-2 बूंद प्रयोग करें।

तौहीद क्लिनिक

मण्डी रोड़, सुकेत

डॉ. ए. आर. तौहीद 7737006116, 9829789239

Reg. No. - 503 / 1998-99

Principal Alfiya M. 8094535201

Director Najmunnisa M. 9667135201

Recognised by Raj. Govt.

Safiya Public Secondary School

S.R. PUBLIC SCHOOL

SAFIYA ENGLISH SCHOOL

AIR COOLED CLASS ROOMS | CCTV CLASS ROOMS | SCHOOL ADMISSION OPEN | Nursery to Xth | English & Hindi

Facilities

- Library
- Indoor Games
- Outdoor Games
- Smart Classrooms
- Art & Craft
- Qualified & Trained Teachers
- Dance & Music Class
- Picnic & Educational Tour
- Computer Lab
- Doctor Check-up
- Free Extra Classes

E-mail: safiyapublicssschool@gmail.com

Website: www.safiyapublicschool.com

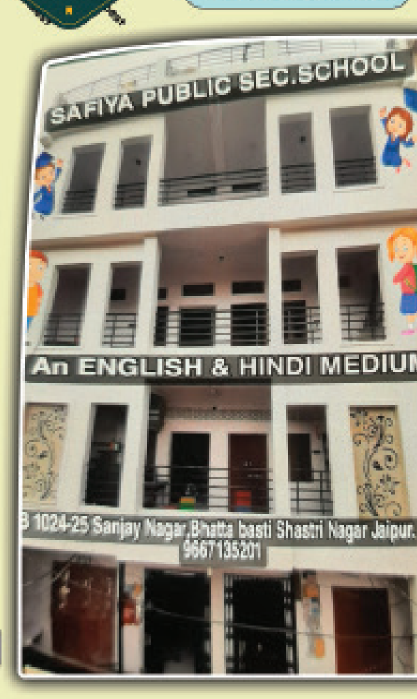

- B-1024-25, Sanjay Nagar, Bhatta Basti Shastri Nagar, Jaipur
- I - 27, J P Colony, Shastri Nagar, Jaipur - 302016

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com